

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शनिवार 04 जुलाई 2026 वर्ष-9, अंक-152 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

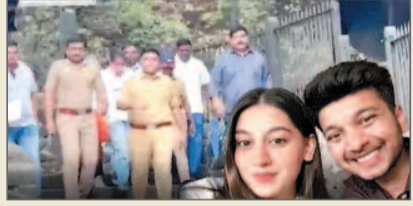
Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com  www.facebook.com/krantisamay1  www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

तीसरे शख्स को पता थी केतन अग्रवाल के मर्डर की प्लानिंग

● पुणे हत्याकांड में दावा-सिया-चेतन ने उसे बताया था

पुणे (एजेंसी)। पुणे के केतन अग्रवाल हत्याकांड में नया खुलासा हुआ है। सूत्रों के मुताबिक, पुलिस ने बीड से एक युवक को हिरासत में लिया है। यह युवक बालेवाडी की एक कंपनी में काम करता है। दावा है कि तीसरा शख्स सिया या केतन में किसी



एक का दोस्त है। दोनों ने उससे केतन के मर्डर की प्लानिंग शेयर की थी। हालांकि युवक का नाम अभी तक सामने नहीं आया है। पुलिस युवक को गवाह भी बना सकती है। वहीं, पुलिस सूत्रों के हवाले से जांच में पता चला है कि मुख्य आरोपी चेतन चौधरी और सिया ने वारदात से पहले 'क्राइम पेट्रोल' देखा था।

ई-रिवशा को बीच सड़क पर रोकने वाले चीनी एप होंगे बंद

● केंद्र सरकार की सख्ती, प्लेस्टोर से हटाने का दिया आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में ई-रिवशा को दूर से रोकने वाले दो चीनी एप अब बंद होंगे। केंद्र सरकार ने बीएटी और बीएमएस एपस नाम के इन एप को एप स्टोर से हटाने का आदेश दे दिया है। सरकार ने शुक्रवार को कहा कि उसे ऐसे तीन एप के बारे में पता चला था और उन्हें एप स्टोर से हटा



दिया गया है। आईटी सेक्टर ए.एस. कृष्णन ने जोर देकर कहा कि एप स्टोर को पूरी सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार इस मामले को उनके सामने उठाएगी ताकि यह पक्का किया जा सके कि नुकसान पहुंचाने वाले एप उपलब्ध न हों। इस मामले में कार्रवाई की पुष्टि करते हुए कृष्णन ने कहा, यह सच है... कुछ एप हैं जिनके बारे में हमें कल पता चला और उन दोनों को एप स्टोर से हटा दिया गया है।

हिंदू, मुस्लिम, सिख, ईसाई...

खामेनेई को भारत ने पेश की खिराज-ए-अकीदत

तेहरान (एजेंसी)। ईरान अपने मारे गए सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई को श्रद्धांजलि देने के लिए हफ्ते पर चलने वाला अंतिम संस्कार कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इसमें लाखों लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। अंतिम संस्कार कार्यक्रम कल 4 जुलाई को शुरू होगा, जो 9 जुलाई को पवित्र शहर मशहद में उन्हें दफनाने के साथ पूरा



होगा। मशहद खामेनेई का गृह नगर भी है। इसके पहले शुक्रवार को अली खामेनेई और उनके परिवार के कई सदस्यों के शवों को इमाम खुमैनी ग्रेड मोसाला मस्जिद में लाया गया, जहां लोगों को उन्हें श्रद्धांजलि देते देखा गया। शुक्रवार को भारत से पहुंचे धर्म गुरुओं ने भी ईरान के सुप्रीम लीडर को श्रद्धांजलि दी।

आ गया मानसून, छा गया मानसून

● हिमाचल से लेकर एमपी तक झमाझम बारिश ● उज्जैन में क्षिप्रा में बाढ़, किन्नौर में लैंडस्लाइड

● गुजरात में बच्चे पानी में बहे, कई गाड़ियां दर्बी



नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में गुरुवार रात भारी बारिश हुई। किन्नौर के चोलिंग में बारिश के बाद मूलबा नेशनल हाईवे पर आ गया। दो गाड़ियां दब गईं। राज्य में 49 सड़कें बंद हैं। इधर, यूपी में शुक्रवार सुबह 3 बजे लखनऊ, बाराबंकी, उन्नाव, जालौन समेत 5 शहरों में बारिश हुई। उन्नाव में पानी घरों में घुस गया। गुजरात के वलसाड में सड़कें पानी में डूब गईं, गाड़ियां चलते-चलते बंद हो गईं। जामनगर में दो बच्चे पानी में बह गए, स्थानीय लोगों ने उन्हें बचाया। मध्य प्रदेश में मानसून 9 दिन में ही पूरे प्रदेश में छा गया। धार, बड़वानी, खरगोन और देवास में अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक बारिश का अनुमान है। उज्जैन में क्षिप्रा नदी का जलस्तर बढ़ने से राम घाट के पास

मंदिर डूब गए। राजस्थान के जयपुर में 2 दिन से रुक-रुककर बारिश हो रही है। रुद्रप्रयाग, चमोली समेत कई जिलों में लैंडस्लाइड से सड़कें बंद हो गई हैं।



मौसम विभाग ने शुक्रवार को भी कोटा, बरीनाथ और केदारनाथ हाईवे पर लगातार पथर गिरे थे। सुरक्षा के चलते केदारनाथ यात्रा रोक दी गई थी।

राजस्थान में तेज हवा के साथ झमाझम बारिश

बिहार में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफतार से तेज आंधी चल सकती है। मध्य प्रदेश, ओडिशा, पूर्वी राजस्थान और तमिलनाडु समेत कई राज्यों में तेज हवा चलेगी। राजस्थान में 30-40 किमी प्रति घंटा की रफतार से तेज हवाओं के साथ बारिश का अनुमान है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में हीटवेव जारी रहेगी। मध्य प्रदेश में बारिश का दौर जारी रहेगा। शुक्रवार को खंडवा और हरदा में भारी बारिश का रेड अलर्ट है जबकि धार, बड़वानी, खरगोन, देवास, बुरहानपुर और बैतूल में अगले 24 घंटे में 4 से 8 इंच तक पानी गिरने का अनुमान है।

मोदी सरकार में होगी बिहार से नए मंत्रियों की एंट्री

अब मिलेगा विवेक ठाकुर और मनन मिश्रा को मौका!



बिहार से फेरबदल की गुंजाइश कम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के कार्य करने के तरीकों पर नजर डालें तो इस बार मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर बिहार को लेकर किसी फेरबदल की गुंजाइश काफी कम है। बिहार से कुल आठ मंत्री में चार मंत्री तो गठबंधन दल के हैं। तीन तो पार्टी के बड़े चेहरे हैं। यहां पीएम नरेंद्र मोदी कुछ नहीं थोप पाएंगे। ऐसे में जदयू के केन्द्रीय मंत्री ललन सिंह और रामनाथ ठाकुर के मंत्रिपरिषद से हटने का खतरा नहीं है। नीतिश कुमार के केन्द्रीय मंत्री बनने को लेकर जो चर्चा का बाजार गर्म है, उसमें कोई तार्किक बात निकल कर सामने नहीं आई।

सरकारी कामकाज को लेकर ऐवशन में थलपति विजय

● विभागावार समीक्षा बैठक कर अधिकारियों से मांगा प्लान



चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय सरकार के कामकाज को लेकर ऐवशन मोड में हैं। सीएम विजय ने विभाग-वार समीक्षा बैठकों की एक बड़ी सीरीज शुरू की है। इसका मकसद शॉर्ट-टर्म और लॉन्ग-टर्म गवर्नेंस रणनीतियां तैयार करना है। अधिकारियों को हर विभाग के लिए एक साल, तीन साल और पांच साल के व्यापक ऐवशन प्लान बनाने का काम सौंपा गया है। 122 जुलाई तक चलने वाली इस समीक्षा प्रक्रिया में मुख्य सरकारी विभागों के कामकाज का आकलन करने, लागू करने में आने वाली चुनौतियों की पहचान करने और आने वाले वर्षों में सर्विस डिलीवरी को बेहतर बनाने के लिए मापने योग्य लक्ष्य तय करने की उम्मीद है।

सोनम रघुवंशी की जमानत पर नहीं लग पाई है रोक

● सुप्रीम कोर्ट बोला-टाइपिंग की गलती को बनाया आधार न्यायालय ने कहा-रिहाई न हुई होती तो बेल रद्द कर देते



इंदौर/नई दिल्ली (एजेंसी)। इंदौर के कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत बरकरार रहेगी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को इस पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा- हमें हाईकोर्ट के फैसले पर कुछ आपत्तियां हैं लेकिन सोनम जेल से बाहर आ चुकी है, इसलिए हम उसकी जमानत पर रोक नहीं लगाएंगे। इसके साथ ही कोर्ट ने मेघालय सरकार की उस याचिका पर नोटिस जारी कर दिया है, जिसमें हाईकोर्ट के जमानत आदेश को चुनौती दी गई है। जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस शील नागू की अवकाशकालीन पीठ ने शुक्रवार को मामले को सुनवाई की।

कोर्ट ने पूछा- गलत धारा लिखने के कारण जमानत देना सही

जस्टिस सुंदरेश ने सोनम की तरफ से पेश वकील से पूछा कि गिरफ्तारी के आधार पहले ही बताए जा चुके थे। शुरुआती जमानत याचिकाओं में यह मुद्दा कभी नहीं उठाया गया। फिर अचानक इसी तकनीकी आधार पर जमानत कैसे मांगी गई? क्या केवल गलत धारा लिखे जाने के कारण हाईकोर्ट का जमानत देना सही फैसला था? इस पर सोनम के वकील ने दावा किया कि सोनम को कभी गिरफ्तारी के आधार नहीं बताया गए। तब जस्टिस सुंदरेश ने कहा- यदि ऐसा था तो यह आपत्ति पहले क्यों नहीं उठाई गई? कोर्ट ने कहा- अगर सोनम रिहा नहीं हुई होती तो हम जमानत पर रोक लगा देते। यदि आवश्यक है तो राज्य सरकार कानून के अनुसार आगे की कार्रवाई करने के लिए स्वतंत्र है।

अमरनाथ यात्रा शुरू, पहले दिन 9 हजार ने किया दर्शन

हर 2 किमी पर ऑक्सीजन बूथ, बालटाल रूट पर 12 जगह वाटरप्रूफ डोम बनाए

जम्मू (एजेंसी) 57 दिन की अमरनाथ यात्रा शुक्रवार से शुरू हो गई। यात्रा का पहला जत्था गंदरबल जिले के बालटाल और अनंतनाग जिले के पहलगाम (नुनवान) बेस कैम्प से बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए रवाना हुआ। इस जत्थे में 4,822 श्रद्धालु शामिल हैं। ये सभी श्रद्धालु गुरुवार को बेस कैम्प में पहुंचे थे। जम्मू-कश्मीर प्रशासन के मुताबिक, पहले जत्थे के श्रद्धालुओं के साथ जवान और अन्य व्यवस्थाओं में लगे लोग मिलाकर कुल 9 हजार लोगों ने दर्शन किया। यात्रा मार्ग पर हर 2 किलोमीटर पर



ऑक्सीजन बूथ बनाए गए हैं। दोमेल रूट पर चार जगह बड़ी स्क्रीन के जरिए मौसम की जानकारी दी जा रही है। बालटाल रूट पर 12 जगह वाटरप्रूफ डोम बनाए गए हैं। अमरनाथ यात्रा दो रास्तों से की जाती है। पारंपरिक रास्ता 48 किलोमीटर लंबा नूनवान-पहलगाम से है। दूसरा रास्ता गंदरबल जिले में 14 किलोमीटर लंबे बालटाल से है।

दूसरा जत्था आज सुबह रवाना होगा- अमरनाथ यात्रा के दूसरे जत्थे के 3,865 श्रद्धालु शुक्रवार देर शाम कश्मीर पहुंचेंगे। इनमें 1,735 श्रद्धालु 115 वाहनों से बालटाल बेस कैम्प जा रहे हैं, जबकि 2,130 श्रद्धालु 86 वाहनों से पारंपरिक पहलगाम मार्ग की ओर रवाना हुए। शनिवार सुबह 3,865 श्रद्धालुओं को बालटाल और नूनवान-पहलगाम बेस कैम्पों से पवित्र अमरनाथ गुफा के दर्शन के लिए रवाना किया जाएगा। कश्मीर में लगातार बारिश और खराब मौसम को देखते हुए श्रद्धालुओं को दर्शन के बाद तुरंत नीचे लौटने की सलाह दी गई है।

दोनों रूट पर 100-100 बेड के अस्पताल

दोनों यात्रा मार्गों पर एक हजार डॉक्टर और स्वास्थ्यकर्मी तैनात हैं। दोनों जगह 100-100 बेड के अत्याधुनिक अस्थायी अस्पताल बनाए गए हैं। बालटाल (गंदरबल) : यात्रा करते वक्त तबीयत बिगड़ती है तो सबसे पहले डोमेल गेट के पास ही 'मेडिकल एड सेंटर' है। फिर रेलपथरी पर इमरजेंसी मेडिकल सहायता केंद्र है। बरारी पर मेडिकल कैम्प और ऑक्सीजन मिल जाएगा। फिर संगम टॉप पर आपातकालीन चिकित्सा केंद्र है। नूनवान (पहलगाम) : नूनवान बेस कैम्प पर बड़ा मेडिकल अस्पताल है। चंदनवाड़ी में 100 बिस्तर का मुख्य बेस अस्पताल बनाया गया है। चढ़ाई से पहले यहां जांच करा सकते हैं। पिस्सु टॉप पर भी मेडिकल एड सेंटर है। फिर शेषनाग कैम्प में रात्रि विश्राम पड़ाव पर बेस अस्पताल बनाया गया है।



स्वामी विवेकानंद : युवा शक्ति के प्रेरणा पुंज

(लेखक- हर्षवर्धन पान्डे)

- 9 जुलाई पुण्यतिथि पर विशेष

विवेकानन्द जिन्हें उस दौर में नरेन्द्रनाथ नाम से पुकारा जाता था एक ऐसा नाम है जिन्होंने करिश्माई व्यक्तित्व के किरदार को एक दौर में जिया। आज भी लोग गर्व से उनका नाम लेते हैं और युवा दिलों में वह एक आयकन की भांति बसते हैं। इतिहास के पन्नों में विवेकानन्द का दर्शन उन्हें एक ऐसे महाज्ञानी व्यक्तित्व के रूप में जगह देता है जिसने अपने ओजस्वी विचारों के द्वारा दुनिया के पटल पर भारत का नाम बुलंदियों के शिखर पर पहुँचाया। उनके द्वारा दिया गया वेदान्त दर्शन भारतीय दर्शन की एक अनमोल धरोहर है। अपने गुरु के नाम पर विवेकानन्द ने रामकृष्ण मिशन तथा रामकृष्ण मठ की स्थापना की। विश्व में भारतीय दर्शन विशेषकर वेदान्त और योग को प्रसारित करने में विवेकानन्द की महत्वपूर्ण भूमिका है, साथ ही राष्ट्रवाद को अध्यात्म से जोड़ने में इनकी भूमिका महत्वपूर्ण मानी जाती है।

विवेकानन्द का जन्म 12 जनवरी 1863 को कलकत्ता में विश्वनाथ और भुवनेश्वरी देवी के घर हुआ था। बचपन में नरेन्द्रनाथ नाम से जाने जाने वाले विवेकानन्द काफ़ी चंचल प्रवृत्ति के थे। उनकी माता भगवान की अनन्य उपासक थीं लिहाजा माँ के सानिध्य में वह भी ईश्वर प्रेमी हो गए। बचपन में विवेकानन्द की माँ इन्हें रामायण की कहानी सुनाती थी तो इसको यह बड़ी तन्मयता से सुनते थे। रामायण में हनुमान के चरित्र ने उस दौर में इनके जीवन को खासा प्रभावित किया साथ ही अपनी माँ की तरह वह भी शिवशंकर के अनन्य भक्त हो गए। कई बार वह शिव से सीधा साक्षात्कार करते मालूम पड़ते थे और अपनी माँ से कहा करते कि उनमें शंकर का वास है। यह सब सुनकर इनकी माँ चिंतित हो उठती कि उनका यह बेटा कहीं बाबा सन्यासी ना बन जाए। बचपन से ही नरेन्द्रनाथ पढ़ाई लिखाई में रूचि लेने लगे। पढ़ाई में यह अखिल दर्जे के छात्र थे इसका अंदाजा इसी से लगाया जा

सकता है जो चीज एक बार यह पढ़ लेते उसे कभी भूलते नहीं थे। युवावस्था में उन्हें पाश्चात्य दार्शनिकों के निरीश्वर भौतिकवाद तथा ईश्वर के अस्तित्व में दृढ़ भारतीय विश्वास के कारण गहरे द्वंद से गुजरना पड़ा। परमहंस जी जैसे जोहरी ने रत्न को परखा। उन दिव्य महापुरुष के स्पर्श ने नरेन्द्र को बदल दिया। इसी समय उनकी भेंट अपने गुरु रामकृष्ण से हुई, जिन्होंने पहले उन्हें विश्वास दिलाया कि ईश्वर वास्तव में है और मनुष्य ईश्वर को पा सकता है। रामकृष्ण ने सर्वव्यापी परमसत्य के रूप में ईश्वर की सर्वोच्च अनुभूति पाने में नरेन्द्र का मार्गदर्शन किया और उन्हें शिक्षा दी कि सेवा कभी दान नहीं, बल्कि सारी मानवता में निहित ईश्वर की सचेतन आराधना होनी चाहिए। यह उपदेश विवेकानन्द के जीवन का प्रमुख दर्शन बन गया। उस शक्तिपात के कारण कुछ दिनों तक नरेन्द्र उन्मत्त-सं रहे। उन्हें गुरु ने आत्मदर्शन करा दिया था। 25 वर्ष की अवस्था में नरेन्द्रनाथ ने भगवा वस्त्र को धारण किया। अपने गुरु से प्रेरित होकर नरेन्द्रनाथ ने सन्यासी जीवन बिताने की दीक्षा ली और स्वामी विवेकानन्द के रूप में दुनिया में जाने गए। जीवन के आलोक को जगत के अन्धकार में भटकते प्राणियों के समक्ष उन्हें उपस्थित करना था। स्वामी विवेकानन्द ने पैदल ही पूरे भारत की यात्रा की गुरुजनों के प्रति इनका सम्मान उस दौर में भी देखते ही बनता था। बड़े होने पर भी गुरु से इनका लगाव बना रहा। विवेकानन्द का मानना था कि जीवन में सफल होने के लिए अच्छा गुरु मिलना जरूरी है क्योंकि गुरु ही अन्धकार से ज्ञान के प्रकाश की तरफ ले जाता है। बचपन से ही गुरु के अलावे आध्यात्मिक चीजों की तरफ इनका झुकाव हो गया और इसी दौरान मुलाकात रामकृष्ण परमहंस से हुई जिन्होंने इन्हें अपना मानस पुत्र घोषित कर दिया। परमहंस की दी हुई हर शिक्षा को विवेकानन्द ने अपने जीवन में ना केवल उतारा बल्कि लोगों को भी इसके जरिये कई सन्देश दिए जिसने आगे बढ़ने की राह खोली।

11 सितंबर सन् 1893 के उस दिन उनके अलौकिक

तत्वज्ञान ने पाश्चात्य जगत को चौंका दिया। अमेरिका ने स्वीकार कर लिया कि वस्तुतः भारत ही जगद्गुरु था और रहेगा। स्वामी विवेकानन्द ने वहाँ भारत और हिन्दू धर्म की भव्यता स्थापित करके जबरदस्त प्रभाव छोड़ा। 11 सितम्बर 1893 का दिन इतिहास में अमर है। इस दिन अमेरिका में विश्व धर्म सम्मलेन का आयोजन किया जिसमें दुनिया के कोने कोने से लोगों ने शिरकत की। उस दौर में भारत के प्रतिनिधित्व की जिम्मेदारी इन्हीं के कंधे पर थी। गेरूप कपड़े पहने विवेकानन्द ने अपनी वाणी से वहाँ पर मौजूद जनसमुदाय को मंत्र मुग्ध कर दिया। जहाँ सभी अपना भाषण लिखकर लाये थे वहीं विवेकानन्द ने अपना मौखिक भाषण दिया। दिल से जो निबोला वही बोला और जनसमुदाय के अंतर्मन को मानो झुंक्त ही कर डाला। उनके शालीन अंदाज ने लोगों को उन्हें सुनने को मजबूर कर दिया। धर्म की व्याख्या करते हुए वह बोले जैसे सभी नदियाँ अंत में समुद्र में जाकर मिलती है वैसे ही दुनिया में अलग अलग धर्म अपनाने वाले मनुष्य को एक न एक दिन ईश्वर की शरण में जाकर ही लौटना पड़ता है। सिस्टर्स ऐंड ब्रदर्स ऑफ अमेरिका के संबोधन के साथ अपने भाषण की शुरुआत करते ही 7000 प्रतिनिधियों ने तालियों के साथ उनका स्वागत किया। 17 सितम्बर 1893 को शिकागो में धर्म सभा में उन्होंने भारत को हिन्दू राष्ट्र के नाम से सम्बोधित किया और स्वयं के हिन्दू होने पर गर्व महसूस किया। उन्होंने सभा को बताया हिन्दू धर्म पर प्रबंध ही हिन्दुत्व की राष्ट्रीय परिभाषा है। उन्होंने सभी हिन्दुओं को सब भेदों से ऊपर उठकर अपनी राष्ट्रीय पहचान पर गर्व करने का ककहरा ना केवल सुनाया बल्कि दुनिया में भारत के नाम के झंडे फाड़ दिए। उन्होंने न्यूयॉर्क में लगभग दो वर्ष त्नीत किये जहाँ वर्ष 1894 में पहली 'वेदान्त सोसाइटी' की स्थापना की।

विवेकानन्द का विचार है कि सभी धर्म एक ही लक्ष्य की ओर ले जाते हैं, जो उनके आध्यात्मिक गुरु श्री रामकृष्ण परमहंस के आध्यात्मिक प्रयोगों पर आधारित है।

परमहंस रहस्यवाद के इतिहास में अद्वितीय स्थान रखते हैं, जिनके आध्यात्मिक अभ्यासों में यह विश्वास निहित है कि सगुण और निर्गुण की अवधारणा के साथ ही ईसाईयत और इस्लाम के आध्यात्मिक अभ्यास आदि सभी एक ही बोध या जागृति की ओर ले जाते हैं शिकागो के अपने प्रवास के दौरान स्वामी विवेकानन्द ने तीन चीजों पर जोर दिया। पहला, उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा न केवल सहिष्णुता बल्कि सभी धर्मों को सत्य के रूप में स्वीकार करने में विश्वास रखती है। दूसरा, उन्होंने स्पष्ट और मुखर शब्दों में इस बात पर बल दिया कि बौद्ध धर्म के बिना हिंदू धर्म और हिंदू धर्म के बिना बौद्ध धर्म अपूर्ण है। तीसरा, यदि कोई व्यक्ति केवल अपने धर्म के अनन्य अस्तित्व और दूसरों के धर्म के विनाश का स्वप्न रखता है तो मैं हृदय की गहराइयों से उसे दया भाव से देखता हूँ और उसे इंगित करता हूँ कि विरोध के बावजूद प्रत्येक धर्म के झंडे पर जल्द ही संघर्ष के बदले सहयोग, विनाश के बदले सम्मिलन और मतभेद के बजाय सद्भाव व शांति का संदेश लिखा होगा।

जिस समय शिकागो में 1893 में धर्म सम्मेलन हुआ, उस समय पाश्चात्य जगत भारत को हीन दृष्टि से देखता था। वहाँ के लोगों ने बहुत प्रयास किया कि विवेकानन्द को सर्वधर्म परिषद् में बोलने का समय ही ना मिले, मगर एक अमेरिकी प्रोफेसर के प्रयास से उन्हें थोड़ा समय मिला। भारतीय दर्शन के बिना विश्व अनाथ हो जायेगा कहकर स्वामी जी ने पुनः भारत को विश्व गुरु पद पर प्रतिष्ठित कर दिया। गुरुदेव रविंदर नाथ टैगोर ने विवेकानन्द के बारे में कहा है यदि आप भारत को जानना चाहते हैं तो विवेकानन्द को पढ़िए। मद्रास की एक सभा को संबोधित करते हुए स्वामीजी ने कहा भारत की समस्या अन्य देशों की समस्याओं की तुलना से ज्यादा पेचीदा है। जात, धर्म, भाषा, सरकार ये सब मिलकर राष्ट्र बनाता है। फिर भारत जैसे राष्ट्र का एक अनाच्छा इतिहास है जहाँ आर्य, द्रविड़, मुसलमान मुगल एवं यूरोपीय साथ-साथ बसते हैं बावजूद हमारे में एक पवित्र बंधन, पवित्र परम्परा रह

1894 में न्यूयॉर्क में उन्होंने वेदान्त सोसाइटी बनाई। सन् 1896 तक वे अमेरिका रहे। उन्हीं का व्यक्तित्व था, जिसने भारत एवं हिन्दू-धर्म के गौरव को प्रथम बार विदेशों में जागृत किया। स्वामी विवेकानन्द कहा करते थे- मैं कोई तत्ववेत्ता नहीं हूँ। न तो संत या दार्शनिक ही हूँ। मैं तो गरीब हूँ और गरीबों का अनन्य भक्त हूँ। मैं तो सच्चा महात्मा उसे ही कहूँगा, जिसका हृदय गरीबों के लिये तड़पता हो।

जीवन के अंतिम पड़ाव पर परमहंस सरीखे गुरु ने जब विवेकानन्द को अपने पास बुलाया और कहा अब मेरे जाने की घड़ी आ गई है तो विवेकानन्द बड़े भावुक हो गए लेकिन परमहंस गुरु ने जनसेवा का जो गुरुमंत्र इन्हें दिया उसका प्रसार, प्रसार विवेकानन्द ने देश, दुनिया में किया। रामकृष्ण की मृत्यु के बाद उन्होंने स्वयं को हिमालय में चिंतनरूपी आनंद सागर में डुबाने की चेष्टा की, लेकिन जल्दी ही वह इसे त्यागकर भारत की कारुणिक निर्धनता से साक्षात्कार करने और देश के पुनर्निर्माण के लिए समूचे भारत में भ्रमण पर निकल पड़े। इस दौरान उन्हें कई दिनों तक भूखे भी रहना पड़ा। इन छह वर्षों के भ्रमण काल में वह राजाओं और दलितों, दोनों के अतिथि रहे। उनकी यह महान यात्रा कन्याकुमारी में समाप्त हुई, जहाँ ध्यानमग्न विवेकानन्द को यह ज्ञान प्राप्त हुआ कि राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की ओर रुझान वाले नए भारतीय वैरागियों और सभी आत्माओं, विशेषकर जनसाधारण की सुप्त दिव्यता के जागरण से ही इस मृतप्राय देश में प्राणों का संचार किया जा सकता है। स्वामी विवेकानन्द का मानना है कि किसी भी राष्ट्र का युवा जागरूक और अपने उद्देश्य के प्रति समर्पित हो, तो वह देश किसी भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकता है। युवाओं को सफलता के लिये समर्पण भाव को बढ़ाना होगा तथा भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिये तैयार रहना होगा, विवेकानन्द युवाओं को आध्यात्मिक बल के साथ-साथ शारीरिक बल में वृद्धि करने के लिये भी प्रेरित करते हैं।

संपादकीय

इथेनॉल का मोल

खाड़ी युद्ध के चलते उपजे ईंधन संकट ने भारत समेत पूरी दुनिया को सबक दिए हैं कि देश की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने के लिये नये विकल्प तलाशे जाएं। भारत जैसे देश के लिये तो यह बड़ी चुनौती है क्योंकि हम पूरी तरह कच्चे तेल व गैस के लिये विदेशी संसाधनों पर ही निर्भर हैं। जिससे संकटपूर्ण स्थितियों में न केवल महंगाई बढ़ती है बल्कि हमारी दुर्लभ विदेशी मुद्रा भी दांव पर लगती है। ऐसे ही संकट से जुझने के लिये देश ने इथेनॉल के विकल्प पर गंभीरता से विचार किया। देश में पहले ही सामान्य पेट्रोल में बीस फीसदी इथेनॉल मिलाया जा रहा है। देश में विदेशी मुद्रा की बचत व आत्मनिर्भरता की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है। हाल ही में फ्लेक्स-पथ्युल गाड़ियों के लिये ज्यादा इथेनॉल वाले ई-85 पथ्युल उपलब्ध कराया गया। लेकिन अभी भी उपभोक्ताओं और ऑटोमोटिव इंडस्ट्री के बीच कई मुद्दों को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। दरअसल, ये वाहन ई-85 यानी 85 फीसदी इथेनॉल और 15 फीसदी पेट्रोल तथा ई-100 यानी शुद्ध इथेनॉल वाले मिश्रण पर चलने के लिये डिजाइन किये गए हैं। जबकि पेट्रोल से चलने वाली सामान्य गाड़ियां ई-20 यानी बीस फीसदी इथेनॉल और 80 फीसदी पेट्रोल के अनुकूल होती हैं। दरअसल, चुनिंदा आउटलेट्स पर ई-85 उपलब्ध कराने का निर्णय आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने के मकसद से लिया गया है। यह एक हकीकत है कि आज भी देश का नब्बे फीसदी कच्चा तेल आयातित किया जा रहा है। दुनियाभर में गाहे-बगाहे पैदा होने वाले भू-राजनीतिक संकटों ने बार-बार देश के ऊर्जा इकोसिस्टम की खामियों की ही उजागर किया है। इसमें दो राय नहीं है कि फ्लेक्स-पथ्युल गाड़ियों के लिये इथेनॉल को मुख्य ईंधन के रूप से बढ़ावा देने का मकसद ऊर्जा जरूरतों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की दिशा में बढ़ना है। वहीं दूसरी ओर इसके उपयोग से हम ग्रीन हाउस गैसों के उत्सर्जन में भी कमी ला सकते हैं। निश्चय ही वाहनों में इथेनॉल को बढ़ावा देना देश में आयातित कच्चे तेल के दबाव को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। लेकिन इस बदलाव को सिरें चढ़ाने के लिए बहुत सोच-समझकर आगे बढ़ना चाहिए, जिससे लोगों की आशंकाएं दूर हो सकें। जरूरत लोगों का भरोसा हासिल करने की है। भारत में इथेनॉल मिले तेल के उपयोग ने इससे होने वाले तमाम फायदों को साबित किया है। इससे काफी विदेशी मुद्रा की बचत भी हुई है। साथ ही देश में इथेनॉल का सशक्त उद्योग विकसित हुआ है। यदि बाजार में इथेनॉल पर लोगों का भरोसा बढ़ता है और इसकी मांग बढ़ती है तो इससे किसानों को कमाई के नये अवसर मिल सकते हैं। इथेनॉल की ज्यादा मांग होने पर गन्ने और मक्का का बाजार विस्तार होगा। वहीं दूसरी ओर ई-85 की कीमत पारंपरिक पेट्रोल के मुकाबले कम रखने के फैसले से, उन उपभोक्ताओं को फायदा हो सकता है, जिनके पास इसके अनुकूल गाड़ियां हैं। भले ही इस पथ्युल की ईंधन दक्षता कम हो, लेकिन यह कदम देश की अर्थव्यवस्था को संबल देगा। बहरहाल, इस उम्मीद के साथ ही, हमें हकीकत का भी ध्यान रखना है।



राम मंदिर का चढ़ावा चोरी, भ्रष्टाचार, नैतिकता संवेदनाओं और आस्थाओं का बदलता स्वरूप

(लेखक- सनत जैन)

भारत की सामाजिक एवं धार्मिक मान्यताएं, प्रकृति, संवेदना, नैतिकता से सारे विश्व में देश की एक अलग पहचान थी। हजारों वर्षों से भारत की भूमि पर विभिन्न मान्यताओं और विभिन्न धर्मों के लोग जिस सामाजिक सद्भाव के साथ रहते आए हैं, उसको देखकर सारी दुनिया आश्चर्य करती थी। वहीं भारत पिछले तीन दशक में बड़ी तेजी के साथ बदला है। नए भारत में भ्रष्टाचार बड़ी तेजी के साथ बढ़ता चला जा रहा है। पुरानी मान्यताओं के स्थान पर आर्थिक समृद्धि को ही सब कुछ मान लिया गया है। धन एवं पद प्राप्त करने के लिए कोई भी माध्यम हो, सामाजिक स्तर पर एक तरह से स्वीकार कर लिया गया है। भारत में पहले ज्ञानियों को विशिष्ट स्थान मिलता था, अब जिनके पास धन और पैश्वर्य है, समाज में उन्हें विशिष्ट माना जाने लगा है। पिछले तीन दशक में जिस तरीके से भारत में भ्रष्टाचार, नैतिकता संवेदनाओं और आस्थाओं में परिवर्तन देखने को मिल रहा है, उसने भारतीय समाज को पूरी तरह से बदल दिया

है। भारत एक असंवेदनशील राष्ट्र के रूप में परिवर्तित होता जा रहा है। हर आत्मीय किसी भी तरीके से पैसे कमाने के लिए कुछ भी करने के लिए तैयार है। 1993 में वैश्विक व्यापार संधि के बाद दुनिया के सभी देशों के बीच में वैश्विक कारोबार शुरू हुआ। उधार लेकर खर्च करने की जो प्रवृत्ति भारत सहित दुनिया के सारे देशों में देखने को मिली, उसने भ्रष्टाचार और नैतिकता को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया है। 1993 के बाद से भ्रष्टाचार बढ़ता चला गया। उसके साथ ही नैतिकता भी खत्म होती चली गई। अब एक ही लक्ष्य होता है, किसी भी तरह से लक्ष्य को प्राप्त किया जाए। लक्ष्य को प्राप्त करना ही सफलता का सबसे बड़ा मानदंड मान लिया गया है। भारत में प्राकृतिक संसाधनों का अधाधुंध दोहन हो रहा है। हिमालय की श्रृंखला और देवभूमि तथा जंगलों में जिस तरह से विकास के नाम पर विनाश किया जा रहा है। धार्मिक स्थलों पर विलासिता बढ़ती चली जा रही है। गरीब और मध्यम वर्ग कर्ज लेकर विलासिता में फँसता चला जा रहा है। समाज में नैतिकता और संवेदनशीलता

खत्म होती जा रही है। हर जगह भ्रष्टाचार देखने को मिल रहा है। समाज के हर वर्ग में भ्रष्टाचार फैल चुका है। ले-देकर काम कराने की प्रवृत्ति बढ़ती चली जा रही है। संस्थागत भ्रष्टाचार भी बड़ी तेजी के साथ बढ़ा है। केंद्र एवं राज्य सरकार के कामकाज में हर स्तर पर रिश्वत देनी पड़ रही है। बिना चढ़ावे के कोई काम नहीं हो रहा है। पिछले एक दशक में राजनीति के क्षेत्र में जिस तरह की अनैतिकता देखने को मिल रही है, सरकारें गिराईं और बनाई जा रही हैं। न्यायपालिका और संवैधानिक संस्थाओं में जिस तरीके से अनैतिकता के साथ काम हो रहे हैं। उससे भारत की एक ऐसी छवि सारी दुनिया में बना शुरू हो गई है, जो हजारों वर्षों के इतिहास से मेल नहीं खाती है। भ्रष्टाचार खत्म करने के लिए सरकार ने बहुत सारी एजेंसियां बना रखी हैं। उनमें भी भ्रष्टाचार हुरी तरीके से फैल गया है। भारत की जीवन शैली और सोच में गरीब से लेकर अमीर तक सभी में तेजी के साथ परिवर्तन आया है। 180 देशों में भारत भ्रष्टाचार के मामले में 96 स्थान पर पहुंच गया है। भ्रष्ट अधिकारी

महत्वपूर्ण पदों पर सेवानिवृत्ति के बाद नियुक्त किये जा रहे हैं। सरकार के कामकाज में भ्रष्टाचार तेजी के साथ बढ़ रहा है। राम मंदिर जैसे संस्थान में जब चढ़ावा और चंदा की चोरी इनके बड़े पैमाने पर हो रही है। ऐसी स्थिति में भारत किस ओर जा रहा है, इसे आसानी से समझा जा सकता है। राम के प्रति भारत के सभी जाति समुदाय में एक बेहतर प्रकार के रूप में छवि थी। भारत में कोई भी धर्म और जाति का नागरिक हो, वह राम के नाम से नाप-जोख, अभिवादन, तथा लेनदेन सेकड़ों वर्ष से करता चला आ रहा था। राम मंदिर को लेकर लोगों में जो आस्था थी, उस आस्था को ध्वस्त करने का काम राम मंदिर में जिस तरह से चढ़ावे और चंदा की चोरी हुई है, ट्रस्ट के पैसों से महंगी जमीन खरीदी गई है। निर्माण कार्य और खरीदी को भी भ्रष्टाचार हुआ है। उसको लेकर सारे देश में बड़ी नाराजी देखने को मिल रही है। राम मंदिर के दान और चढ़ावे की चोरी ने आम लोगों की आस्थाओं पर चोट पहुंचाई है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद तथा भाजपा जो अपने आप को

हिंदुओं का सबसे बड़ा रक्षक बताते थे। उनकी देखरेख में राम मंदिर का निर्माण हुआ, वही लोग ट्रस्ट में हैं। उनकी देखरेख में यह सब हुआ है। इससे हिंदुओं की धार्मिक आस्था पतली बाग इतने बड़े पैमाने पर आहत हुई है। वर्तमान स्थिति को देखते हुए यही कहा जा सकता है। जब सामाजिक एवं धार्मिक स्तर पर नैतिकता नहीं होगी, तब किसी नियम और कानून का पालन भी संभव नहीं होगा। जब निजी स्वार्थ के हिसाब से काम करेंगे, ऐसी स्थिति में परिवार, समाज, सरकार, न्यायपालिका तथा धार्मिक आस्थाएं सभी प्रभावित होंगी। इससे अराजकता का वातावरण बनेगा, भीड़ तंत्र निर्मित होगा, वर्तमान स्थिति काफी चिंताजनक हो गई है। सरकार, सामाजिक और धार्मिक संस्थाओं को इस परिवर्तन पर गंभीरता के साथ विचार करना होगा। जिस तरह से देश में भ्रष्टाचार बढ़ रहा है, अपराध बढ़ रहे हैं। नियम और कानूनों का पालन नहीं हो रहा है, यह स्थिति काफी चिंताजनक है। समय रहते इस पर नियंत्रण के लिये सरकार और समाज को आगे आना होगा।

अकेले क्यों थकना, जब साथ मिलकर बदल सकते हैं जमाना!

(लेखक- दिलीप कुमार पाठक)

(04 जुलाई अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस)

सोचिए, अगर हाथ की सिर्फ एक उंगली से किसी भारी चीज को उठाने की कोशिश करें, तो क्या होगा? शायद उंगली में मोच आ जाएगी। लेकिन जब पांचों उंगलियां मिलकर मुट्ठी बन जाती है, तो ताकत कई गुना बढ़ जाती है। बस यही सीधा सा फंडा है सहकारिता का। आज की इस भागदौड़ भरी जिंदगी में हम अक्सर हैं, मेरा और मुझे में खोप रहते हैं। लेकिन साल में एक दिन ऐसा आता है जो हमें याद दिलाता है कि जिंदगी की असली गाड़ी अकेले नहीं, बल्कि सबको साथ लेकर चलने से ही सचारा रूप से चलती है। जुलाई का पहला शनिवार इसी एकता और भाईचारे के नाम होता है, जिसे लोग तकनीकी भाषा में अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता दिवस कह देते हैं।

बहुत से लोग इस भारी-भरकम शब्द को सुनकर कन्फ्यूज हो जाते हैं, लेकिन इसका मतलब बहुत ही सीधा है - एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़ना। हमारे समाज में हर किसी के पास बहुत सारा पैसा या बड़ी-बड़ी सिफारिशें नहीं होतीं। किसी के पास कोई छोटा सा हुनर होता है, तो किसी के पास थोड़ी सी जमीन। अब अकेले दम पर तो बड़ा बिजनेस खड़ा करना मुश्किल नहीं है। ऐसे में कुछ लोग आपस में मिलते हैं, अपनी थोड़ी-थोड़ी जमापूजी एक जगह जमा करते हैं और मिलकर काम शुरू कर देते हैं। यहां कोई बड़ा बाँस या नौकर नहीं होता। जितने लोग, उतने मालिक। सब मिलकर फैसला लेते हैं और जो भी फायदा होता है, उसे आपस में खुशी-खुशी बाँट लेते हैं। यह एक ऐसी व्यवस्था है जहां कोई किसी का हक नहीं मार सकता। इस जादुई फॉर्मूले की सबसे बड़ी मिसाल हमारे घरों में सुबह-सुबह आने वाला अमूल दूध है। बरसों

पहले गुजरात के कुछ सीधे-साधे किसानों ने मिलकर बिचौलियों की मनमानी के खिलाफ एक छोटी सी मंडली बनाई थी। आज वही छोटी सी शुरुआत दुनिया का इतना बड़ा ब्रांड बन चुकी है कि हर घर की सुबह उसके बिना अधूरी है। इसी तरह सिर्फ सात महिलाओं ने अस्सी रुपये उधार लेकर पापड़ बनाने का काम शुरू किया था, जिसे आज हम लिज्जत पापड़ के नाम से जानते हैं। आज इनका काम से देश की हजारों महिलाएं अपने पैरों पर खड़ी हैं और गर्व से अपना घर चला रही हैं। ये कहानियां गवाह हैं कि जब आम लोग एक साथ आ जाते हैं, तो बड़े-बड़े कॉर्पोरेट घराने भी उनके आगे फीके पड़ जाते हैं। आज के समय में जब हर तरफ सिर्फ अपना फायदा देखने की होड़ मची है, वहां यह सोच किसी ठंडी हवा के झोंके जैसी है। बड़ी-बड़ी कंपनियां सिर्फ अपना बैंक बैलेंस बढ़ाने में लगी रहती हैं, चाहे उसके लिए उन्हें किसी का भी नुकसान करना पड़े। लेकिन जब लोग मिलकर कोई समिति या ग्रुप बनाते हैं, तो वे सिर्फ पैसे के पीछे नहीं भागते। वे अपने साथ-साथ अपने गांव, अपने पड़ोसियों और पर्यावरण का भी ख्याल रखते हैं। यहां अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं होता। सबके वोट की कीमत बराबर होती है। यही वजह है कि यह मॉडल समाज से मंदी और बेरोजगारी जैसी बीमारियों को जड़ से खत्म करने की ताकत रखता है। खासकर हमारे गांवों और छोटे कस्बों में यह सोच किसी वरदान से कम नहीं है। छोटे किसानों को सस्ते दाम पर खाद-बीज दिलाता हो, महिलाओं को सिलाई-कढ़ाई के जरिए आत्मनिर्भर बनाता हो या कम ब्याज पर लोन देना हो, यह आपसी सहयोग हर जगह ढाल बनकर खड़ा हो जाता है। यह हमें सिखाता है कि अगर हम अपनी छोटी-छोटी ताकतों को



मिला लें, तो एक बहुत बड़ी दीवार खड़ी की जा सकती है जो हर मुसीबत को रोक देगी। तो चलिए, आज के दिन से एक नई शुरुआत करते हैं। अपने आस-पास की ऐसी छोटी समितियों, स्थानीय कारीगरों और मिलकर काम करने वाले ग्रुप्स को सपोर्ट करें। बाजार से सामान खरीदते वक्त बड़े बाइस के चमकीले विज्ञापनों में फँसने के बजाय अपने ही लोगों की मेहनत को तवज्जो दें। जब हम एक-दूसरे का सहारा बनेंगे, तभी देश का हर कोना तरकी करेगा। आखिर असली मजा तो सबके साथ आगे बढ़ने में ही है!

(लेखक पत्रकार हैं)

आंध्र प्रदेश के तोतापुरी आम किसानों की आय बढ़ाने के लिए केंद्र सरकार ने उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के लिए निर्देश

नई दिल्ली।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आंध्र प्रदेश के तोतापुरी आम उत्पादक किसानों की समस्याओं का समाधान तलाशने और उनकी आय बढ़ाने के उद्देश्य से भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के तहत एक उच्चस्तरीय विशेषज्ञ समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। यह जानकारी शुक्रवार को जारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

यह फैसला केंद्रीय कृषि मंत्री के हालिया आंध्र प्रदेश दौर के बाद लिया गया, जहां किसानों ने उन्हें बताया कि प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) उद्योग में बड़े पैमाने पर उपयोग होने वाली तोतापुरी आम की किस्म के दाम पिछले कुछ महीनों में काफी गिर गए हैं। किसानों ने बताया कि कीमतों में लगातार गिरावट से उनकी आय पर गंभीर असर पड़ा है और आम उत्पादक किसानों पर आर्थिक दबाव बढ़ गया है। इन परिस्थितियों को देखते हुए कृषि मंत्री ने आईसीएआर को वैज्ञानिकों और संबंधित संस्थानों के प्रतिनिधियों को शामिल करते हुए एक विशेषज्ञ समिति गठित करने का निर्देश दिया है, जो तोतापुरी आम से जुड़े पूरे क्षेत्र का व्यापक अध्ययन करेगी। समिति को खेती, प्रसंस्करण, विपणन, घरेलू व्यापार और निर्यात सहित पूरी वैल्यू चेन का विश्लेषण करने और किसानों की आय बढ़ाने के साथ-साथ इस क्षेत्र के दीर्घकालिक एवं टिकाऊ विकास के लिए उपयुक्त सुझाव देने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कृषि मंत्री ने समिति को निर्देश दिया है कि वह अगले 10 दिनों के भीतर आंध्र प्रदेश के प्रमुख तोतापुरी आम उत्पादक क्षेत्रों का दौरा करे। इस दौरान समिति किसानों, प्रोसेसिंग उद्योग के प्रतिनिधियों, निर्यातकों, राज्य के बागवानी विभाग के अधिकारियों, फार्मर प्रोड्यूसर ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ) और अन्य संबंधित पक्षों से बातचीत कर मौजूदा स्थिति का विस्तृत आकलन करेगी। समिति तोतापुरी आम की खेती की वर्तमान स्थिति, उत्पादन लागत, किसानों की आय, प्रसंस्करण क्षमता और उसके उपयोग, मांग और आपूर्ति की स्थिति तथा घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कीमतों में आई गिरावट के कारणों का अध्ययन करेगी।

उज्वला योजना अब सिर्फ 4 सिलेंडर पर मिलेगी सब्सिडी

वित्तीय वर्ष 2026-27 से लागू होंगे नए नियम, लाभार्थियों को मिलेंगे लगभग 1200 कम

नई दिल्ली।

द्र सरकार ने उज्वला योजना के तहत एलपीजी सिलेंडर पर मिलने वाली सब्सिडी में महत्वपूर्ण बदलाव की घोषणा की है। अब वित्तीय वर्ष 1 अप्रैल 2026 से 31 मार्च 2027 में लाभार्थियों को साल में केवल 4 सब्सिडी वाले सिलेंडर मिलेंगे, जो पहले 9 थे। इस बदलाव का सीधा असर उन लाखों परिवारों पर पड़ेगा जो इस योजना से जुड़े हैं। पहले मिलने वाली कुल 2700 की सब्सिडी अब घटकर लगभग 1200 रुपए रह जाएगी। यह नियम 1 अप्रैल 2026 से प्रभावी होगा और उन परिवारों को सीधा प्रभावित करेगा जो नियमित रूप से गैस सिलेंडर का उपयोग करते हैं। यदि कोई उज्वला लाभार्थी हर महीने एक सिलेंडर लेता है, तो जुलाई 2026 में उसे इस वित्तीय वर्ष का आखिरी सब्सिडी वाला सिलेंडर मिल सकता है। इसके बाद, अगस्त 2026 से उन्हें एलपीजी सिलेंडर पूरी कीमत पर खरीदना होगा, जिससे रसोई का मासिक खर्च बढ़ना तय है। अगर मौजूदा कीमतें बनी रहती हैं, तो दिल्ली में घरेलू सिलेंडर लगभग 942 रुपये का मिलेगा, जहां अभी करीब 300 रुपये की सब्सिडी मिल रही है। सब्सिडी खत्म होने से घरेलू बजट पर अतिरिक्त दबाव आएगा।

एचसीएलटेक को यूरोप की कंपनी से मिला 1.14 अरब डॉलर का ठेका

नई दिल्ली।

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सेवा क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एचसीएलटेक को यूरोप मुख्यालय वाली 'फॉर्च्यून ग्लोबल 50' सूची की एक कंपनी से ठेका डेजिटल कार्यस्थल एवं उद्यम नेटवर्क के रूपांतरण तथा प्रबंधन के लिए 1.14 अरब अमेरिकी डॉलर का ठेका मिला है। एचसीएलटेक ने उस कंपनी का नाम उजागर नहीं किया है। शेर्य बाजार को शुक्रवार को दी सूचना के अनुसार इस साझेदारी के तहत एचसीएलटेक उस कंपनी के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित परिचालन मॉडल स्थापित करेगी। समझौते की शुरुआती अवधि जुलाई 2026 से दिसंबर 2031 तक यानी साढ़े पांच वर्ष की होगी। इसके बाद साझेदारी को पांच वर्ष और बढ़ाने का विकल्प भी रहेगा।

भारत के 7 स्टार्टअप को मिलेंगे 30-30 लाख रुपए, साथ ही मिलेगा मेंटरशिप और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन

नई दिल्ली।

भारत के 7 स्टार्टअप को उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) समर्थित फिक्की-मर्सिडीज-बेंज भारत इनोवेशन एंड बिजनेस आइडियाज चैलेंज प्रोग्राम के तहत फंडिंग के साथ-साथ सरंचित मेंटरशिप और विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी मिलेगा। इस पहल का उद्देश्य स्टार्टअप की तेजी से वृद्धि सुनिश्चित करना और उन्हें निवेश के लिए बेहतर तरीके से तैयार करना है।

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, देश भर से आए आवेदनों के बीच आयोजित इस राष्ट्रीय इनोवेशन चैलेंज में चयनित प्रत्येक स्टार्टअप को 30-30 लाख रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की गई है। कार्यक्रम के तहत आयोजित एक वक्तव्य अला संवाद में डीपीआईआईटी के अतिरिक्त सचिव अतीश कुमार सिंह ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम, जिनमें फंडिंग के साथ विशेषज्ञों का मार्गदर्शन भी शामिल हो, भारत के स्टार्टअप इकोसिस्टम को मजबूत बनाने

भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन हरे निशान में बंद, सेंसेक्स 262 अंक उछला; रियल्टी, आईटी और फार्मा शेयर चमके

मुंबई।

वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच हफ्ते के आखिरी कारोबारी सत्र यानी शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार लगातार तीसरे दिन बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ। इस दौरान आईटी, रियल्टी, फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में शानदार तेजी देखने को मिली। बाजार बंद होने के समय 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 261.79 अंक यानी 0.34 प्रतिशत चढ़कर 77,763.91 पर पहुंच गया, तो वहीं निफ्टी 50 95.15 अंक यानी 0.39 प्रतिशत बढ़कर 24,270.85 पर पहुंच गया। दिन के सत्र में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 77,502.12 से 0.83 प्रतिशत यानी 650.22 अंकों की शानदार बढ़त के साथ 78,157.52 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 24,175.70 से 0.82 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,375.65 पर खुला और दिन के कारोबार में

यह 0.83 प्रतिशत की उछाल के साथ 24,378.15 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। लगातार तीन सत्रों की बढ़त के साथ सेंसेक्स में लगभग 1,300 अंकों यानी 1.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। वहीं, एनएसई में तीन दिनों में 400 से अधिक अंकों यानी 1.7 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इस तरह, इस सप्ताह सेंसेक्स और निफ्टी दोनों में करीब 1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जिससे लगातार चौथे सप्ताह बढ़त का सिलसिला जारी रहा। व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.19 प्रतिशत की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ कमाने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। इसके बाद निफ्टी हेल्थकेयर (1.8 प्रतिशत), निफ्टी आईटी (1.7 प्रतिशत), निफ्टी फार्मा (1.7 प्रतिशत) और निफ्टी मेटल (0.7 प्रतिशत) ने भी बेहतर प्रदर्शन किया। वहीं, निफ्टी पीएसयू बैंक सबसे अधिक गिरावट दर्ज करने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई।

झारखंड का आईटी क्रांति पर जोर, 'विजन 2050' के लिए दिल्ली में बैठक



रांची।

झारखंड सरकार अपने महत्वाकांक्षी 'विजन 2050' के लक्ष्यों को प्राप्त करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रही है। इसी कड़ी में, राज्य सरकार 8 जुलाई से नई दिल्ली में दो दिवसीय राष्ट्रीय हितधारक परामर्श सम्मेलन आयोजित करेगी, जिसका मुख्य उद्देश्य झारखंड को सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), कृत्रिम मेधा (एआई) और डिजिटल कामकाज के क्षेत्र में एक पसंदीदा निवेश गंतव्य के रूप में स्थापित करना है। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में भारत और विदेशों के प्रमुख नीति-निर्माता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, निवेशक और प्रौद्योगिकी विशेषज्ञ शामिल होंगे। यह सम्मेलन सूचना प्रौद्योगिकी, कृत्रिम मेधा (एआई) और डिजिटल कामकाज जैसे क्षेत्रों में राज्य को निवेश के लिए आकर्षक बनाने पर केंद्रित होगा, साथ ही औद्योगिक निवेश और पर्यटन को भी बढ़ावा देगा। सम्मेलन के दौरान, झारखंड में निवेश एवं आर्थिक वृद्धि को गति देने के उद्देश्य से कई प्रमुख औद्योगिक समूहों के साथ रणनीतिक समझौता ज्ञापनों (एमओयू) पर भी हस्ताक्षर किए जाएंगे, जो राज्य के 'एक्सप्लोर इनफिनिट अपॉर्च्युनिटीज' दृष्टिकोण को आगे बढ़ाएगा।

भारत की कमर्शियल और इंडस्ट्रियल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 2032 तक तीन गुना बढ़कर 100 गीगावाट होने की उम्मीद रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत की कमर्शियल और इंडस्ट्रियल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता 2032 तक बढ़कर 100 गीगावाट हो सकती है, जो कि 2025 में 32 गीगावाट है। साथ ही स्थापित एनर्जी स्टोरेज सिस्टम की क्षमता 10 गुना से अधिक बढ़कर 31 गीगावाट-घंटा होने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। इंडिया एनर्जी स्टोरेज एलायंस और कस्टमाइज्ड एनर्जी सॉल्यूशंस की रिपोर्ट में इस तेज वृद्धि का श्रेय कर्पणियों के डीकार्बोनाइजेशन लक्ष्यों, आसमान छूते ग्रिड टैरिफ और ऊर्जा लचीलेपन की बढ़ती आवश्यकता को दिया गया है, जिसमें राज्य-स्तरीय नियामक इन्वोल्वमेंट स्वरूपों को अपनाने की गति को तेज कर रहा है। यह रिपोर्ट नई दिल्ली के यशोभूमि (आईआईसीसी) में 8-10 जुलाई को होने वाले इंडिया एनर्जी स्टोरेज वीक (आईईएसडब्ल्यू) 2026 में जारी की जाएगी। इसमें 200 से अधिक प्रदर्शक और 10,000 से अधिक इंडस्ट्री लीडर्स शामिल होंगे। यह इवेंट क्लीन एनर्जी वैल्यू



चेन में पॉलिसी पर चर्चा, टेक्निकल जानकारी के आदान-प्रदान और इन्वोल्वमेंट को दिखाने के लिए एक बेहतरीन मंच होगा। आईईएसडब्ल्यू 2026 में भारी उद्योग, खान, बिजली, इलेक्ट्रॉनिक्स और पर्यावरण जैसे अहम मंत्रालयों के सीनियर अधिकारी, राज्यों के प्रतिनिधियों और रेगुलेटरी बॉडीज के साथ मिलकर खुली बातचीत करेगी। प्रेस रिलीज के अनुसार, इस इवेंट में पॉलिसी से जुड़ी रुकावटों, राज्य-स्तरीय सुधारों और इंडस्ट्री की जरूरतों पर खुलकर चर्चा होगी। इसका मकसद भारत के क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन (स्वच्छ ऊर्जा की) को तेजी देने के लिए ऐसे समाधान निकालना है जिन्हें असल में लागू किया जा सके। आईईएसडब्ल्यू के अध्यक्ष देवमाल्य सेन ने कहा, "हमारी नई रिसर्च से पता चलता है कि भारत का सीएंडआई (कमर्शियल और इंडस्ट्रियल) एनर्जी स्टोरेज मार्केट न सिर्फ बढ़ रहा है, बल्कि एक नए दौर की ओर तेजी से बढ़ रहा है। राज्यों की दूरदर्शी नीतियों और

आईटी सेक्टर- पहली तिमाही में बड़ी कंपनियों को झटका, मिडकैप रहेंगे मजबूत

नई दिल्ली।

भारतीय आईटी सेवा क्षेत्र के लिए मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही चुनौतियों भरी रह सकती है। वैश्विक सुस्ती और भू-राजनीतिक तनावों का असर बड़ी कंपनियों की आय और ग्रोथ पर साफ दिखेगा। हालांकि, ब्रोकरेज फर्म नुवामा की एक रिपोर्ट बताती है कि इस दौरान छोटी और मध्यम आकार की आईटी कंपनियां बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रमुख आईटी कंपनियों में इन्फोसिस सबसे मजबूत ग्रोथ दर्ज कर सकती है, जिसके बाद टेक महिंद्रा का स्थान रहेगा। टीएसएसए लक्ष्मी पिछली तिमाही जैसा कारोबार दिखाएगी, जबकि एचसीएलटेक और विप्रो के राजस्व में हल्की गिरावट देखने को मिल सकती है। वहीं, मिड साइज सेगमेंट में कोफोर्ज सबसे तेज ग्रोथ दिखा सकती है। हेक्सावेयर, परसिस्टेंट सिस्टम्स और एम्फैसिस से भी अच्छे नतीजों की उम्मीद है। नुवामा का कहना है कि ग्राहक अभी भी खर्च को लेकर सतर्क हैं, जिससे नए प्रोजेक्ट तो मिलेंगे, लेकिन राजस्व में बड़ी उछाल की संभावना कम है। अच्छी खबर यह है कि अधिकांश कंपनियों के ऑपरेटिंग मार्जिन स्थिर रहने की उम्मीद है, हालांकि वेतन वृद्धि वाली कंपनियों पर थोड़ा दबाव रहेगा। कंपनियां अपने वार्षिक अनुमानों को बरकरार रख सकती हैं।

जून में भी भारत को सबसे अधिक एलपीजी सप्लाई करने वाला देश बना अमेरिका

नई दिल्ली।

अमेरिका जून में भी भारत को द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) की सबसे बड़ी आपूर्ति करने वाला देश बना रहा। पश्चिम एशिया में भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच भारत ऊर्जा आयात के स्रोतों में विविधता लाने की रणनीति पर तेजी से काम कर रहा है, जिसके चलते अमेरिका ने पारंपरिक खाड़ी देशों पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है। कम्पैडिटी एनालिटिक्स फर्म के प्लर के आंकड़ों के अनुसार, जून में भारत ने अमेरिका से 7.73 लाख मीट्रिक टन

(773.78 टीएमटी) एलपीजी आयात की, जो मई की तुलना में 19.4 प्रतिशत अधिक है। वहीं, जून के दौरान भारत का कुल एलपीजी आयात 3 प्रतिशत बढ़कर 11.91 लाख मीट्रिक टन (1,191 टीएमटी) हो गया, जबकि मई में यह 11.55 लाख मीट्रिक टन (1,155 टीएमटी) था। जून में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) भारत का दूसरा सबसे बड़ा एलपीजी आपूर्तिकर्ता रहा, जहां से आयात 16.6 प्रतिशत बढ़कर 1.57 लाख मीट्रिक टन पहुंच गया, जो मई में 1.34 लाख मीट्रिक टन था। वहीं, सऊदी अरब और कुवैत



ने जून में भारत को 64-64 हजार मीट्रिक टन एलपीजी की आपूर्ति की।

अमेरिका से एलपीजी आयात में लगातार बढ़ोतरी भारत की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत पश्चिम एशिया में हालिया संघर्ष के बाद ऊर्जा आपूर्ति के स्रोतों को विविध

बनाया जा रहा है। इसी दिशा में सरकारी तेल रिफाइनरियों ने 2026 से अमेरिका से 22 लाख टन एलपीजी आयात करने के लिए दीर्घकालिक समझौता भी किया है, जिससे भारत-अमेरिका ऊर्जा सहयोग और मजबूत होगा तथा खाड़ी देशों पर निर्भरता कम करने में मदद मिलेगी।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में 2026 की पहली छमाही में संस्थागत निवेश 50 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

भारत के रियल एस्टेट सेक्टर में संस्थागत निवेश 2026 की पहली छमाही में सालाना आधार पर 50 प्रतिशत बढ़कर 4.5 अरब डॉलर हो गया है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कोलियर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम एशिया तनाव के बावजूद भी देश के रियल एस्टेट ने 2026 की जनवरी-जून अवधि में मजबूत निवेश हासिल किया है और यह सेक्टर का छह वर्षों में सबसे अच्छा पहली छमाही का प्रदर्शन है। रिपोर्ट में बताया गया कि अप्रैल-जून तिमाही में रियल एस्टेट में संस्थागत निवेश सालाना आधार पर 70 प्रतिशत बढ़कर 2.9 अरब डॉलर हो गया है। घरेलू निवेशकों ने 2.6 अरब डॉलर के निवेश के साथ बाजार में बढ़त बनाए रखी, जो कुल निवेश का 57 प्रतिशत था, जबकि विदेशी निवेश सालाना आधार पर 24 प्रतिशत बढ़कर 1.9 अरब डॉलर हो गया। कोलियर्स इंडिया के सीईओ और मैनेजिंग डायरेक्टर बादल यामिन ने कहा, "पिछले कुछ तिमाही में संस्थागत निवेश में घर्षण के साथ बाजार का योगदान लगातार 60 प्रतिशत तक रहा है,

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद सेंसेक्स 262 अंक, निफ्टी 95 अंक बढ़ा



मुंबई।

भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये बढ़त वैश्विक बाजार के मिले-जुले संकेतों के बीच भी खरीददारी हावी रहने से आई है। आज कारोबार के दौरान आईटी, रियल्टी, फार्मा और हेल्थकेयर शेयरों में उछाल दर्ज किया गया। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 261.79 अंक बढ़कर 77,763.91 पर पहुंच गया। वहीं निफ्टी 50 अंक उछलकर 95.15 अंक उछल गया। वहीं व्यापक बाजार में, निफ्टी मिडकैप में 0.19 फीसदी की गिरावट आई, जबकि निफ्टी स्मॉलकैप में 0.04 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। आज कारोबार के दौरान सेक्टरवार देखें तो निफ्टी रियल्टी सबसे अधिक लाभ कमाने वाला सेक्टर रहा, जिसमें 2 फीसदी की

भारत के कंज्यूमर गुड्स सेक्टर की आय वृद्धि दर 2030 तक 17.3 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली।

कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में वर्ष 2025-2030 की अवधि के दौरान आय 17.3 प्रतिशत चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (सीएजीआर) से बढ़ने की उम्मीद है। यह जानकारी शुक्रवार को जारी रिपोर्ट में दी गई। ब्रिकवर्क रेंटिंस की रिपोर्ट के अनुसार, कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में आय में तेज बढ़ोतरी की वजह क्रेडिट ग्रोथ, एआईटी में कटौती, टियर-II और टियर-III शर्तों से बढ़ी हुई मांग

और प्रीमियम प्रोडक्ट्स की ओर झुकाव है। वहीं, हेल्थकेयर सर्विसेस सेक्टर के लिए अच्छे संकेतकों में मजबूत रुचि और डेट कवरेज रेश्यो, लगभग 13 अरब डॉलर का मेडिकल टूरिज्म मार्केट और 70 साल से अधिक उम्र के बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत प्रोग्राम का विस्तार शामिल है। ब्रिकवर्क रेंटिंस के अनुसार, कंज्यूमर गुड्स सेक्टर में आय में तेज बढ़ोतरी की वजह क्रेडिट ग्रोथ, एआईटी में कटौती, टियर-II और टियर-III शर्तों से बढ़ी हुई मांग



करने में मदद करता है। उनके अनुसार, इस तरह के साझेदारी आधारित प्रयास भारत को नवाचार-आधारित विकास की दिशा में आगे बढ़ाने और वैश्विक इनोवेशन लीडर बनाने के लिए बेहद आवश्यक है।

बैलेंस शीट, बेहतर ऑपरेटिंग मार्जिन और जियोपॉलिटिकल अनिश्चितताओं के बावजूद अनुमानित कैश फ्लो का समर्थन मिला है। टेक्नोलॉजी, ऑटोमोबाइल, टेलीकॉम, इफास्ट्रकर, लॉजिस्टिक्स, इंडस्ट्रियल और पावर जेनरेशन सेक्टर को डी-लीवरेजिंग (कर्ज कम करने), पॉलिसी स्पॉट, नए ट्रेड एग्रीमेंट के तहत निर्यात के मौकों और लंबे समय तक मांग की संभावनाओं से फायदा मिलता है।

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टी20 आज

—सैमसन पर प्रदर्शन का रहेगा दबाव, वैभव कर रहे डेब्यू की उम्मीद

मैनचेस्टर (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच शनिवार को यहां दूसरा टी20 क्रिकेट मैच खेला जाएगा। बारिश के कारण पहला टी20 मैच रद्द होने के कारण इस मैच में दोनों ही टीमों का लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। इस मैच में भारतीय टीम बल्लेबाज अभिषेक शर्मा से अच्छी शुरुआत की उम्मीद रहेगी। पहले टी20 में भी अभिषेक ने आक्रामक पारी खेली थी पर बारिश के कारण मैच पूरा नहीं हो पाया था।

वहीं पहले मैच में रन बनाने में विफल रहे बल्लेबाज संजू सैमसन पर मैच में अच्छे प्रदर्शन का काफी दबाव रहेगा क्योंकि आयरलैंड के खिलाफ उनके असफल रहने के बाद से 15 साल के वैभव सूर्यवंशी को उतारने की मांग तेज होती जा रही है। ऐसे में सैमसन को बेहतरीन पारी खेलकर अपनी जगह पकड़ी करनी होगी। अगर वह इस मैच में भी रन नहीं बना पाते तो

उनके लिए अपनी जगह बनाये रखना कठिन होगा। बारिश से धुले पहले मैच में भी वह केवल 7 गेंदों का सामना करते हुए केवल एक रन बना पाये थे। उनकी बल्लेबाजी में आक्रामक रव्य नहीं दिखा था। तेज पिच पर उनकी तकनीक की कमी नजर आयी। इससे वह आयरलैंड के खिलाफ भी दोनों मैच में रन नहीं बना पाये थे। टी20 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के बाद से ही सैमसन पर लोगों का भरोसा बना था पर वह इस दौर में अब तक अपनी लय नहीं दिखा पाये हैं। वहीं इसी दौरान वैभव का तेजी से उदय हुआ और जिस प्रकार से उन्होंने आक्रामक पारियां खेली हैं उससे उन्हें सलामी बल्लेबाज के तौर पर जगह देने का दबाव बढ़ गया है। अब देखा होगा कि उन्हें इस मैच में अवसर मिलता है या नहीं।

अभिषेक शर्मा ने पिछले तीन मैचों में से दो में 49 और 59 रन बनाकर अपने स्थान को और मजबूत किया है, जिससे सैमसन पर दबाव और बढ़ गया है। मध्यक्रम में तिलक वर्मा को भी तेज गति से रन बनाने होंगे, क्योंकि



स्मिथों के आने के बाद उनकी रन गति धीमी पड़ जाती है। इस साल 12 टी20 मैचों में वह केवल 12 छक्के लगा पाये हैं जो एक फिनिशर के लिए अच्छा आंकड़ा नहीं माना जा सकता।

भारतीय टीम की बल्लेबाजी कप्तान श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा पर आधारित रहेगी। भारतीय

बल्लेबाजों को मेजबान गेंदबाजों जोफा आर्चर और आदिल राशिद से सावधान रहना होगा।

ऑलड ट्रैफर्ड की पिच स्पिन गेंदबाजों के लिए सहायक साबित हो सकती है, ऐसे में गेंदबाजों में किसी बड़े बदलाव की संभावनाएं कम हैं। भारतीय टीम के गेंदबाजों को मेजबान इंग्लैंड के कप्तान हेरी ब्रूक, फिल सांट और

टीम इस प्रकार है

भारत - श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सुर्याश शेट्टी, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, अशदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

इंग्लैंड - हेरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, जोफा आर्चर, सोनी बेकर, टॉम बैटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, जेम्स कोल्स, जोर्डन कॉक्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, विल जैक्स, साकिब महमूद, आदिल राशिद, फिल सांट, जोश टंग और ल्यूक वुड।

टॉम बैटन से सावधान रहते हुए इन्हें बड़ी पारी खेलने से रोकना होगा। हेरी आजकल काफी अच्छे फार्म में हैं और मैच का रव्य पलटने में माहिर है। ऐसे में उन्हें जल्द आउट करना होगा।

भारत के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम में आर्चर की वापसी

—कोल्स और टंग पहली बार शामिल किये गये



लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड व वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने भारतीय टीम के खिलाफ इस महीने होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज के लिए अपनी 16 सदस्यीय टीम घोषित कर दी है। इस टीम में दो नए युवा खिलाड़ियों ऑलराउंडर जेम्स कोल्स और तेज गेंदबाज जोश टंग को पहली बार शामिल किया गया है। ये दोनों ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू कर सकते हैं। इंग्लैंड ने अपनी टीम को मजबूत करने के लिए युवा प्रतिभाओं पर भरोसा दिखाया है। कोल्स अपनी बल्लेबाजी और ऑफ-स्पिन से टीम को संतुलन प्रदान कर सकते हैं, वहीं टंग अपनी गति और उछाल से भारतीय बल्लेबाजों को परेशान करने की क्षमता रखते हैं। इनके अलावा, तेज गेंदबाज गस एटकिंसन और साकिब महमूद को भी टीम में शामिल किया गया है।

हेरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैटन (विकेटकीपर), जैकब बेथेल, जो रूट, बेन डेवेल, जोस बटलर (विकेटकीपर), विल जैक्स, रेहान अहमद, जोफा आर्चर, गस एटकिंसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, साकिब महमूद, आदिल राशिद और जोश टंग।

हेरी ब्रूक (कप्तान), टॉम बैटन (विकेटकीपर), जैकब बेथेल, जो रूट, बेन डेवेल, जोस बटलर (विकेटकीपर), विल जैक्स, रेहान अहमद, जोफा आर्चर, गस एटकिंसन, जेम्स कोल्स, सैम कुरन, लियाम डॉसन, साकिब महमूद, आदिल राशिद और जोश टंग।

क्रोशिया ग्रैंड चैस टूर रैपिड : गुकेश नें अनीशा को दी मात, दूसरे स्थान पर पहुंचे



जाग्रोव, क्रोशिया (एजेंसी)। भारत के वर्तमान विश्व चैंपियन डी गुकेश ने ग्रैंड चैस टूर के दूसरे रैपिड पड़ाव क्रोशिया में दूसरे दिन अच्छे खेल दिखाते हुए खुद को सयूक दूसरे स्थान पर पहुंचा दिया है, पहले दिन गुकेश को फ्रांस के मैक्सिम लाश्वे से हार का सामना करना पड़ा था वहीं उन्होंने मेजबान देश के इवान सारिक को मात दी थी और दिन का अंत उन्होंने हमबतन प्रज्ञानंदा से ड्रा खेलते हुए किया था वहीं दूसरे दिन के पहले राउंड में उन्हें रोमानिया के बोगदान डैनियल से हार का सामना करना पड़ा लेकिन उसके बाद उन्होंने लगातार दो बाजों में क्रमशः नौदरलैंड के यान फारेस्ट जॉर्डन और

अनीशा गिरी को पराजित करते हुए 4 अंक हासिल किए और 7 अंकों के साथ सयूक दूसरे स्थान पर पहुंच गए हैं अब आंतिम दिन उन्हें उज्बेकिस्तान के अब्दुसतोरोव, जर्मनी के विसेंट केमर और फ्रांस के अलॉरिजा फिरोजा का सामना करना है, वहीं प्रज्ञानंदा के लिए पहले दिन की अच्छी शुरुआत को दूसरे दिन वह कायम नहीं रख पाये और उन्हें अब्दुसतोरोव और अलॉरिजा से हार का सामना करना पड़ा हालांकि उन्होंने जॉर्डन को मात देते हुए एकमात्र जीत दर्ज की, फिलहाल फ्रांस के अलॉरिजा 10 अंकों के साथ सबसे आगे चल रहे हैं गुकेश 7 और प्रज्ञानंदा 6 अंकों पर हैं।

फीफा विश्वकप : स्विट्जरलैंड ने अल्जीरिया को 2-0 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया

88 साल बाद नॉकआउट मुकाबला जीता

वैंक्वूर (एजेंसी)। ब्रिज एम्बोलो और डैन एनदोये के शानदार गोलों की सहायता से स्विट्जरलैंड ने नॉक आउट मुकाबले में अल्जीरिया को 2-0 से हराकर फीफा विश्व कप फुटबॉल के अंतिम 16 में प्रवेश किया है। अब स्विट्जरलैंड की टीम का मुकाबला मंगलवार को कोलंबिया और घाना के बीच होने वाले मैच की विजेता टीम से होगा।

इस मैच की शुरुआत में अल्जीरिया ने लगाकर हमले कर दबाव बनाने का प्रयास किया पर इसके बाद स्विट्जरलैंड ने वापसी करते हुए मैच में अपना नियंत्रण बना लिया। मैच में योहान मंजाज्मी के एक क्रास पर ब्रिज एम्बोलो ने गोल दागकर स्विट्स टीम को 1--0 की बढ़त दिला दी। इसी के साथ ही एम्बोलो ने अपना 26वां अंतरराष्ट्रीय गोल किया। इसके



बाद अल्जीरिया ने काफी प्रयास किया पर वह गोल करने में असफल रही। वहीं दूसरे हाफ की शुरुआत में ही डैन एनदोये के गोल से स्विट्जरलैंड ने अपनी बढ़त 2-0 कर दी। अल्जीरिया के गोलकीपर लुका जिदान ने डैन शांट को रोकने का पूरा

प्रयास किया पर वह सफल नहीं रहे। स्विट्जरलैंड की ओर से फैंबिन रीडर ने इसके बाद एक अच्छे मूल बनाया पर वह गेंद को गोल में नहीं दाग पाये। स्विट्जरलैंड के लिए यह जीत ऐतिहासिक महत्व रखती है, क्योंकि उन्होंने 1938 में फ्रांस में खेले गए

विश्व कप के बाद से नॉकआउट राउंड का कोई मैच नहीं जीता था। हालांकि, 1954 में उसकी टीम ने प्लेऑफ मैच जीतकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई थी। पिछले तीन विश्व कप में भी स्विट्जरलैंड अंतिम 16 में पहुंचा था, लेकिन वह जीत दर्ज करने में विफल रहा था।

दूसरी ओर अल्जीरिया 2014 के बाद पहली बार विश्व कप में भाग ले रहा था। 2014 में भी वह नॉकआउट राउंड तक पहुंचा था, लेकिन तब जर्मनी से हार गया था। अल्जीरिया ने कैनसस सिटी में शनिवार को ऑस्ट्रिया के खिलाफ 3-3 से ड्रॉ खेलकर अपने ग्रुप में तीसरे स्थान पर रहते हुए अगले दौर में जगह बनाई थी। इस परिणाम से दोनों टीमों नॉकआउट राउंड में पहुंच गई थीं जबकि इरान टूर्नामेंट से बाहर हो गया था।

एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने वाले 5 कप्तानों में भारत के शुभमन और गावस्कर भी शामिल

मुंबई । क्रिकेट के सबसे लंबे प्रारूप, टेस्ट मैच में कप्तानी और बल्लेबाजी का संतुलन बनाए रखना किसी भी खिलाड़ी के लिए एक बड़ी चुनौती होती है। लेकिन कुछ ऐसे दिग्गज कप्तान हुए हैं, जिन्होंने अपनी टीम की अगुवाई करते हुए बल्ले से भी रनों का अंशार लगाया और एक ही सीरीज में रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन किया है, इसमें दो भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर और शुभमन गिल भी शामिल हैं। इस सूची में सबसे ऊपर ऑस्ट्रेलियाई कप्तान सर डॉन ब्रेडमैन का नाम आता है, जिनके नाम एक टेस्ट सीरीज में सर्वाधिक रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड दर्ज है। सर डॉन ब्रेडमैन ने साल 1936-37 में इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए 5 मैचों की घरेलू सीरीज में यह महान रिकॉर्ड बनाया था। यह सीरीज उनके लिए कप्तानी और बल्लेबाजी दोनों की अग्निपरीक्षा थी। ब्रेडमैन ने विरोधी गेंदबाजों को ध्वस्त करते हुए 9 पारियों में अविध्वंसनीय 90.00 की औसत से 810 रन बनाए। इस दौरान उन्होंने 3 शतक और 1 अर्धशतक जड़ा, जिसमें उनका सर्वोच्च स्कोर 270 रन रहा। भले ही वे दो बार शत्रु पर आउट हुए, लेकिन उनकी इस ऐतिहासिक कप्तानी पारी ने ऑस्ट्रेलिया को मजबूत स्थिति में ला खड़ा किया। टेस्ट इतिहास में किसी कप्तान द्वारा एक सीरीज में बनाए गए यह सबसे अधिक रन हैं। आधुनिक क्रिकेट के उभरते सितारे और भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने भी इसमें अपना नाम दर्ज कराया है। साल 2025 में इंग्लैंड दौरे पर एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी के दौरान गिल ने कप्तानी के दबाव को बाहर करते हुए इंग्लैंड की तेज पिचों पर रनों की नई परिभाषा लिखी। 5 मैचों की 10 पारियों में उन्होंने 75.40 की औसत से 754 रन बनाए। इस सीरीज में शुभमन ने कप्तान की निरंतरता दिखाते हुए 4 शानदार शतक लगाये, जिसमें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 269 रन रहा। वे इस सीरीज में एक बार भी बिना खाता खोले आउट नहीं हुए, जो उनकी बेहतरीन बल्लेबाजी का प्रमाण है।

फीफा विश्वकप में स्पेन के गोलकीपर साइमन ने 36 साल पुराना गोल न खाने का रिकॉर्ड तोड़ा

इंग्लैंड (एजेंसी)। स्पेन के अनुभवी गोलकीपर उनाई साइमन ने ऑस्ट्रिया के खिलाफ फीफा विश्वकप फुटबॉल मुकाबले में 3-0 की शानदार जीत के दौरान ही एक नया रिकार्ड बना दिया। साइमन ने इसी शतक में 36 साल पुराने सबसे अधिक तक गोल न खाने के रिकार्ड को तोड़ दिया है। साइमन ने मौजूदा विश्व कप में अब तक एक भी मैच में गोल नहीं होने दिया है।

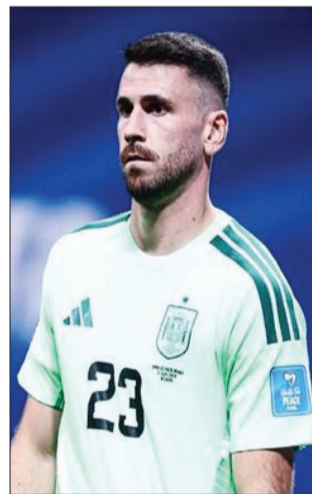
साइमन के इस रिकार्ड की शुरुआत पिछले विश्व कप से हुई थी अतः तक उन्होंने कुल 519 मिनट तक विपक्षी टीम को गोल दागने से रोके रखा है। इस प्रदर्शन के साथ ही उन्होंने इटली के दिग्गज गोलकीपर वाल्टर जेंगा के 1990 में

स्थापित किए गए 517 मिनट तक गोल न होने देने के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया है। जेंगा ने उस समय लगातार पांच मैचों में क्लीन शीट रखकर यह कीर्तिमान बनाया था। साइमन ने भले ही जेंगा की क्लीन शीट की संख्या को अभी नहीं छुआ हो, लेकिन गोल न खाने के समय के मामले में उन्होंने सभी को पीछे छोड़ दिया है।

इस विश्व कप में साइमन को शायद सर्वश्रेष्ठ गोलकीपरों की सूची में शीर्ष पर नहीं रखा गया था पर इस खिलाड़ी ने अपने शानदार खेल से रिकार्ड बुक में अपना नाम सुनहरे अक्षरों में दर्ज कर लिया है। स्पेन ने इस विश्व कप में अभी तक एक भी गोल नहीं खाया है, और इसका श्रेय काफी हद तक साइमन की गोलकीपिंग को जाता है।

उन्हें केवल चार बचाव करने पड़े हैं, जिसमें ऑस्ट्रिया के खिलाफ एक भी नहीं शामिल है, क्योंकि उनके प्रतिद्वंद्वी टीम के पांचों शॉट लक्ष्य से भटक गए थे। स्पेन के कोच लुइस डे ला फुएते ने अपने गोलकीपर की जमकर सराहना की।

वह पिछले लगभग पांच वर्षों से, साइमन स्पेन के लिए गोलकीपर के तौर पर पहली पसंद बने हुए हैं। उन्होंने डेविड राया और जोन गार्सिया जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ियों से कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद अपनी जगह बनाए रखी है। साइमन का गोल न खाने का यह सिलसिला दरअसल 2022 में करन में खेले गए विश्व कप से शुरु हुआ था।



महिला विश्वकप फाइनल : पूरी तरह फिट नहीं होने के बाद भी पैरी को उतार सकती है ऑस्ट्रेलियाई टीम

लंदन । ऑस्ट्रेलियाई टीम टी20 विश्वकप फाइनल के लिए पूरी तरह से फिट नहीं होने के बाद भी अपनी स्टार खिलाड़ी पेलिस पेरी को उतारने पर विचार कर रही है। अगर ऐसा होता है तो पेलिस का करियर संकट में फंस सकता है क्योंकि इस दौरान उनकी चोट गंभीर हो सकती है। इसका अंदाजा टीम की मुख्य कोच शेली निट्स्के के बयान से लगाया जा सकता है। जिसमें निट्स्के ने कहा है कि अगर पैरी पूरी तरह से स्वस्थ नहीं भी होती हैं, तो भी वह फाइनल में खेल सकती हैं। गौरतलब है कि पैरी वेस्टइंडीज के खिलाफ हुए सेमीफाइनल में चोटिल हो गयी थीं। जिसके बाद उसे रिटायर कर दिया गया था। टीम ने हालांकि उनकी चोट को मामूली क्राइसेप्स खिंचाव बताया था। उनकी स्थिति पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। वहीं जब निट्स्के से पूछा गया कि क्या पैरी पूरी तरह फिट न होने पर भी खेल सकती हैं, तो उन्होंने जवाब दिया, हाँ, संभव है। मुझे लगता है कि अभी भी कुछ चीजें हैं जो विश्वकप फाइनल को देखते हुए वह करना चाहती हैं, टीम में योगदान देने और अपनी जगह बनाए रखने के लिए। इससे साफ है कि टीम प्रबंधन भी चाहता है कि फाइनल जैसे अहम मैच को देखते हुए पैरी खेलें। गौरतलब है कि पूरे टूर्नामेंट में पैरी का प्रदर्शन अच्छा रहा है और वह इस ऑस्ट्रेलिया के लिए सबसे अच्छी बल्लेबाज बनकर उभरी हैं। उन्होंने पांच पारियों में 46.25 की औसत और 135.03 के प्रभावाशाली स्ट्राइक रेट से कुल 185 रन बनाए हैं। भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलियाई टीम की जीत में पैरी की पारी की अहम भूमिक रही थी।

हरभजन सिंह 46 के हुए: भारतीय क्रिकेट के टर्बनेटर का शानदार सफर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट के सबसे महान ऑफ स्पिनरों में से एक हरभजन सिंह आज 46 साल के हो गए। इस खास मौके पर उन्हें देश-दुनिया के उनके साथी क्रिकेटर्स, पूर्व खिलाड़ियों और असंख्य प्रशंसकों की ओर से ढेरों बधाइयां मिल रही हैं। टर्बनेटर और भज्जी के नाम से क्रिकेट जगत में लोकप्रिय हरभजन सिंह को उन चुनिंदा स्पिन गेंदबाजों में गिना जाता है, जिन्होंने अपनी करिस्माई धूमती गेंदों और अदम्य साहस से बड़े-बड़े दिग्गज बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर किया। टेस्ट क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट लेने वाले वह भारत के पहले ऑफ स्पिनर बने, जिन्होंने एक पूरी पीढ़ी को अपनी गेंदबाजी का दीवाना बनाया।

महानता तक पहुंचने की उनकी यह राह कभी भी आसान नहीं रही। मार्च 1998 में महज 17 साल की उम्र में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में खेलकर अंतरराष्ट्रीय करियर

की दहलीज पर कदम रखा। अपने शुरुआती प्रदर्शन से उन्होंने सबको प्रभावित तो किया, लेकिन करियर की शुरुआत के करीब डेढ़ साल बाद ही खराब फॉर्म के चलते उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। उस दौर में लेग स्पिनर अनिल कुंबले भारतीय स्पिन गेंदबाजी के मुख्य आधार थे, और जब कुंबले चोटिल हुए, तब भी कुंबले भारतीय स्पिन गेंदबाजी को अक्सर देना उचित नहीं समझा। इसी बीच, साल 2000 में हरभजन साहस से बड़े-बड़े दिग्गज बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर किया। टेस्ट क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट लेने वाले वह भारत के पहले ऑफ स्पिनर बने, जिन्होंने एक पूरी पीढ़ी को अपनी गेंदबाजी का दीवाना बनाया।

महानता तक पहुंचने की उनकी यह राह कभी भी आसान नहीं रही। मार्च 1998 में महज 17 साल की उम्र में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच में खेलकर अंतरराष्ट्रीय करियर

की दहलीज पर कदम रखा। अपने शुरुआती प्रदर्शन से उन्होंने सबको प्रभावित तो किया, लेकिन करियर की शुरुआत के करीब डेढ़ साल बाद ही खराब फॉर्म के चलते उन्हें टीम से बाहर कर दिया गया। उस दौर में लेग स्पिनर अनिल कुंबले भारतीय स्पिन गेंदबाजी के मुख्य आधार थे, और जब कुंबले चोटिल हुए, तब भी कुंबले भारतीय स्पिन गेंदबाजी को अक्सर देना उचित नहीं समझा। इसी बीच, साल 2000 में हरभजन साहस से बड़े-बड़े दिग्गज बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर किया। टेस्ट क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट लेने वाले वह भारत के पहले ऑफ स्पिनर बने, जिन्होंने एक पूरी पीढ़ी को अपनी गेंदबाजी का दीवाना बनाया।

मनोबल बढ़ाया और उन्हें खेल पर ही ध्यान केंद्रित करने को कहा। इसके बाद, उन्होंने रणजी ट्रॉफी में लाजवाब प्रदर्शन करते हुए 28 विकेट लेकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा। फिर साल 2001 में एक बार फिर उन्हें टीम में अक्सर चुनने का मौका मिला, जब ऑस्ट्रेलियाई टीम भारत के दौरे पर थी और अनिल कुंबले चोट के कारण बाहर थे। चयनकर्ताओं ने हरभजन को अक्सर देना उचित नहीं समझा। इसी बीच, साल 2000 में हरभजन साहस से बड़े-बड़े दिग्गज बल्लेबाजों को घुटने टेकने पर मजबूर किया। टेस्ट क्रिकेट में 400 से अधिक विकेट लेने वाले वह भारत के पहले ऑफ स्पिनर बने, जिन्होंने एक पूरी पीढ़ी को अपनी गेंदबाजी का दीवाना बनाया।



निकालने में भी वह हमेशा आगे रहे। उनका करियर भारतीय क्रिकेट में संघर्ष, वापसी और शानदार सफलता की एक प्रेरक गाथा है, जिसे आज भी याद किया जाता है।

रविवार को खिताबी मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया से होगी टक्कर

लंदन । इंग्लैंड की महिला क्रिकेट टीम टी20 विश्वकप क्रिकेट के फाइनल में पहुंच गयी है। इंग्लैंड ने दूसरे सेमीफाइनल में दक्षिण अफ्रीकी टीम को हराकर खिताबी मुकाबले में जगह बनायी है। अब यह उसका मुकाबला रविवार को ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम से होगा अगर इंग्लैंड की टीम ये मुकाबला जीतती है तो ये उसका दूसरा विश्वकप खिताब होगा। इससे पहले, इंग्लैंड ने साल 2009 में खेले गए अपने उद्घाटन टी20 विश्व कप सत्र में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खेले गए सेमीफाइनल मुकाबले में इंग्लैंड की जीत में नेट साइवर-ब्रंट और कप्तान हीथर नाइट की शानदार पारियों की अहम भूमिका रही है। इन दोनों ने चौथे विकेट के लिए 90 गेंदों पर 133 रन बनाये। साइवर-ब्रंट ने 47 गेंदों पर 75 रन बनाए, जबकि नाइट ने 47 गेंदों में 58 रन बनाये। इस शानदार प्रदर्शन की सहायता से इंग्लैंड ने निर्धारित 20 ओवरों में 169 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से अनुभवी तेज गेंदबाज इस्मैलन ने अपनी पहली ही गेंद पर इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज एमी जोन्स को आउट कर टी20 महिला विश्वकप में अपने 50 विकेट पूरे किये। इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने इसके बाद जोरदार पलटवार किया। म्त्वाबा ने लगातार तीन गेंदों के भीतर नाइट और साइवर-ब्रंट दोनों को आउट कर दक्षिण अफ्रीका को विफल दिलाया। वहीं लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही। कप्तान लॉरा वोल्वावर्ट ने शुरुआती तीन ओवरों में दो रन बनाए। वह 13 रनों पर ही आउट हो गयीं जिससे दक्षिण अफ्रीका ने 43 रनों पर ही पहला विकेट खो दिया। इसके बाद एक के बाद एक विकेट गिरते गये इंग्लैंड के गेंदबाजों ने इसके बाद अपनी सधी हुई गेंदबाजी से अफ्रीकी बल्लेबाजों पर दबाव बना दिया।

सरसों की फसल में लगने वाले मुख्य कीट एवं उनका नियंत्रण



समन्वित कीट प्रबंधन

खेत में साफ-सफाई रखनी चाहिए। खेतों के आसपास खरपतवार तथा फसल अवशेषों को नष्ट कर देना चाहिए। खेतों की गर्मियों के दिनों (मई-जून) में मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए। बुआई के 3-4 सप्ताह बाद यदि संभव हो, तो पहली सिंचाई कर देनी चाहिए। पौधावस्था में इस कीट का आक्रमण होने पर क्यूनालफॉस 10 प्रतिशत अथवा मैलाथियान 5 प्रतिशत धुल की 20-25 किलोग्राम मात्रा प्रति हैक्टियर की दर से भुरकाव करें। अत्यधिक प्रकोप की अवस्था में मैलाथियान 50 पायस अथवा डाइमिथोएट (रोगर) 30 पायस सांद्रण की एक लीटर अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. की 150 मि.ली. मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टियर की दर से छिड़काव करें। फसल का रंग सुनहरा होने पर ही कटाई कर लेनी चाहिए। फसल की जल्द से जल्द मड़ाई कर लेनी चाहिए, जिसमें अधिक हानि न हो व पादप अवशेषों को तुरंत नष्ट कर देना चाहिए।

कीट व कृमिकोष नष्ट हो जाएं। ऑक्सी-डेमेटोन मिथाइल 25 पायस सांद्रण या डाइमिथोएट 30 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टियर की दर से छिड़काव करें अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।

वितकबरा कीट
प्रौढ़ कीट के शरीर के ऊपर काले व चमकीले नारंगी रंग के धब्बे होते हैं। प्रौढ़ 6.5-7.0 मि.मी. चौड़ा व पूर्ण विकसित शिशु 4 मि.मी. लंबा व 2.6 मि.मी. चौड़ा होता है। इन पर भूरी धारियां पाई जाती हैं। पहली व दूसरी अवस्था शिशु कीट का रंग चमकीला नारंगी और तीसरी व चौथी अवस्था का रंग लाल होता है। मुखग चुभाने-चूसने वाले एवं पशुमूखी होते हैं।

हानि के लक्षण
ये कीट फसल के छोटे-छोटे पौधों को या पौधा अवस्था में अधिक नुकसान पहुंचाते हैं। शिशु एवं प्रौढ़ दोनों ही पौधे की पत्तियों एवं प्ररोह से रस चूसकर हानि पहुंचाते हैं। फसल की दो पत्ती अवस्था में नुकसान होने पर ग्रसित उपरी भाग मुरझाकर सुख जाता है। वानस्पतिक अवस्था में प्रकोप के समय पत्तियों पर सफेद धब्बे हो जाते हैं। पौधे का विगलन हो जाता है व पौधे पूर्णतः सुख जाते हैं। दोनों मामलों में फसल की दोगारा बुआई आवश्यक हो जाती है। यह कीट फली बनने व पकने की अवस्था में भी आक्रमण करता है, जिससे फलियाँ व दाने सिकुड़ जाते हैं। खलिहानों में कटी हुई फसल पर इन कीटों का आक्रमण व हानि का देखा जा सकता है। इस प्रकार यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। मध्यम तापमान 20 से 40 डिग्री सेल्सियस व कम आर्द्रता इस कीट के गुणन के लिए उपयुक्त है।

देश में रबी फसलों में सरसों की खेती बड़े पैमाने पर की जाती है, सोयाबीन, मूंगफली के बाद सरसों की खेती देश भर में सबसे ज्यादा होती है। खाद्य तेल के रूप में सरसों की मांग अधिक रहने के कारण पिछले कुछ वर्षों से किसानों को सरसों की खेती से अच्छा मुनाफा हो रहा है। सरसों का अच्छा उत्पादन कई कारणों पर निर्भर करता है जैसे मिट्टी, जलवायु, बीज, रोग तथा कीट। कीट एवं रोगों का प्रभाव सीधे सरसों के उत्पादन पर होता है इसलिए किसानों को समय पर इनकी पहचान कर उन पर नियंत्रण पाना आवश्यक है।

सरसों की फसल में समय-समय पर विभिन्न कीट एवं रोग काफ़ी नुकसान पहुंचाते हैं, जिससे उपज में कमी आती है। यदि समय रहते इन रोगों एवं कीटों का नियंत्रण कर लिया जाए तो सरसों के उत्पादन में बढ़ोतरी की जा सकती है। चेंपा या माहू, आरामकखी, चितकबरा कीट, मटर का पर्ण सुरंगक कीट आदि सरसों के मुख्य कीट हैं।

सरसों का माहू (चैपा /मोयला /एफिडा) कीट

सरसों का माहू छोटा, लंबा व कोमल शरीर वाला कीट है। प्रौढ़ माहू दो अवस्थाओं में पाया जाता है-पहला पंखरहित और दूसरा पंखसहित। पंखरहित प्रौढ़ 2 मि.मी. लंबे, गोलाकार व हरे रंग के या हल्के हरे पीले रंग के होते हैं। पंखसहित प्रौढ़ पीले उदर वाले व पंख पारदर्शी होते हैं। शिशु पंखरहित अवस्था के समान होते हैं, परन्तु आकार में छोटे होते हैं। दो नलीनुमा संरचनाएं (कोर्निकल्स) उदर के अंतिम भाग में उपस्थित होती हैं।

हानि के लक्षण

ये कीट प्रायः-दिसम्बर के अन्तिम सप्ताह में प्रकट होते हैं और मार्च के अंत तक सक्रिय रहते हैं और मार्च के अंत तक विभिन्न भागों जैसे - पुष्पक्रम, पत्ती, तना, टहनियों व फलियों से रस चूसकर नुकसान पहुंचाते हैं। ये कीट समूहों में रहते हैं व तीव्रता से वंशवृद्धि करते हैं। माहू पहले फसल की वानस्पतिक कलिका पर प्रकट होते हैं व धीरे-धीरे पुरे पौधे को ढक लेते हैं। ये कीट मधुस्राव निकालते हैं और पौधों पर काले कवक का आक्रमण हो जाता है। तना व पत्तियाँ काली हो जाती हैं, जिससे प्रकाश संश्लेषण में बाधा आती है। इस प्रकाश यह कीट उपज व तेल की मात्रा में कमी करता है। बादलपुष्प व टंड मीसम वंशवृद्धि के लिए अत्यंत उपयुक्त होता है।

समन्वित कीट प्रबंधन

जहाँ तक संभव हो सरसों की बुआई 15 अक्टूबर तक कर देनी चाहिए, इससे फसल माहू के प्रकोप से बच जाती है। उर्वरकों की अनुशासित मात्रा का ही प्रयोग करना चाहिए।

माहू के प्रारंभिक आक्रमण पर 10 दिनों के अन्तराल पर 2-3 बार माहू ग्रसित टहनियों को तोड़कर नष्ट कर देने से माहू की वंशवृद्धि को कम किया जा सकता है।

फसल में कम से कम 10 प्रतिशत पौधे माहू से ग्रसित हों तथा प्रत्येक पौधे पर 26 से 28 माहू हों, तभी छिड़काव करना चाहिए।



ऑक्सी-डेमेटोन मिथाइल (मेटासिस्टाक्स) 25 पायस सांद्रण अथवा डाइमिथोएट (रोगर) 30 पायस सांद्रण अथवा मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 600-800 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टियर की दर से छिड़काव करें अथवा इमिडाक्लोप्रिड 1708 एस.एल. को 5 मि.ली. / 15 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। यदि दोबारा से कीट का प्रकोप हो तब 15 दिनों के अन्तराल से पुनः छिड़काव करें। यह भी पढ़ें: कृषि शक्ति योजना-मध्यप्रदेश



गर्मियों के दिनों (मई-जून) में खेत की मिट्टी पलटने वाले हल से गहरी जुताई करनी चाहिए।

फसल लगभग एक माह की हो जाए तब सिंचाई करनी चाहिए। इससे इस कीट की सूंझ पानी में डूबकर मर जाती है।

इस कीट के प्रकोप की अवस्था में मैलाथियान 50 पायस सांद्रण की एक लीटर मात्रा को 500 लीटर पानी में घोलकर प्रति हैक्टियर की दर से छिड़काव करना चाहिए।

मटर का पर्ण सुरंगक कीट

प्रौढ़ मक्खी छोटी काले रंग की होती है और इसका सिर पिला होता है। प्रौढ़ मक्खी की लंबाई 1.5 मि.मी., पंख विन्यास लगभग 4 मि.मी. व घरेलू मक्खी के समान परन्तु आकार में छोटी होती है। नए मेगेट्स कीट धूसर सफेद रंग के होते हैं और इनके मुखांग काले भूरे रंग के होते हैं। पूर्ण विकसित कीट हरा पीला रंग का लगभग 3 मि.मी. चौड़ा, जिनका मध्य भाग मोटा और आगे से चपटा होता है। कीट पत्ती में सुरंग के अंदर रहता है और सुरंग में ही कृमिकोष में चला जाता है।

हानि के लक्षण

पौधे की पत्तियों में प्रौढ़ मादा के अन्दोपक से अंडे देने के लिए छोटे-छोटे छेद करती है। प्रौढ़ मादा व नर इन छेदों से निकलने वाले रस को चूसते हैं। ये कीट पत्ती के पैरनकाइमा ऊतकों को खाकर टेन्डी-मेन्डी सुरंग बनाते हैं। अत्यधिक ग्रसित पत्तियाँ पीली होकर गिर जाती हैं व उपज पर प्रतिकूल प्रभाव डालती है। अधिक प्रकोप की दशा में ग्रसित पत्तियाँ छिन्न जाती हैं। पौधों का ओज प्रभावित होता है और पुरुष एवं फलन गतिविधियाँ प्रभावित होती हैं। इस कीट का प्रकोप प्रायः-पुरानी पत्तियों पर अधिक होता है।

समन्वित कीट

ग्रसित पत्तियों को तोड़कर जमीन में दबा देना चाहिए, ताकि पत्तियों में छिपे

सरसों की आरा मक्खी

इस कीट की प्रौढ़ मक्खी 8-11 मि.मी. लंबी, पीले-नारंगी रंग की तैयारी की तरह होती है। इसके पंख धूसर रंग के व काली शिरायें लिए हुए होते हैं। इसका अंडोपक दातेदार व आरिनुमा होता है इसलिए इसे आरा मक्खी कहते हैं। सर व टोंग काली होती है। इसकी सुंझ गहरे हरे रंग की होती है, जिसको पीट पर पांच लंबवत धारियाँ होती हैं।

हानि के लक्षण

यह कीट मुख्य रूप से फसल की पौधावस्था (अक्टूबर-नवंबर) में ही नुकसान पहुंचाता है। सूंझ, पत्तियों को काटकर उनमें अनियमित आकार के छेद कर देती है। अधिक प्रकोप की अवस्था में पौधे को कंकालित कर देती है। फसल में आक्रमण पौधावस्था में अधिक होता है और 3-4 सप्ताह पुरानी फसल में ज्यादा नुकसान होता है। मध्य जलवायु और कम आर्द्रता इसकी वंशवृद्धि के लिए अनुकूल है।

समन्वित कीट प्रबंधन

स्वच्छ कृषि क्रियाएं (खरपतवार नियंत्रण, वैकल्पिक पोषक पौधे व फसल अवशेषों आदि को नष्ट करना) अपनाना चाहिए।



अधिक लाभ के लिए करें बेबीकॉर्न की खेती

मृदा का चयन एवं खेती की तैयारी

बेबीकॉर्न की खेती के लिए पर्याप्त जीवाणुशुद्ध दोमट मृदा अच्छी होती है। पहली जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से तथा शेष जुताई देसी हल/रोटोवेटर या कल्टीवेटर द्वारा करके पाटा लगाकर खेत को तैयारी कर लेना चाहिए। बुआई के समय खेत में पर्याप्त नमी के साथ-साथ खेत पलवा करके तैयार करना चाहिए।

बुवाई समय एवं विधि

उत्तर भारत में बेबीकॉर्न फरवरी से नवंबर के मध्य कभी भी बोया जा सकता है। बुवाई में डेढ़ के दक्षिणी भाग में करनी चाहिए तथा मेड़ से मेड़ एवं पौधे से पौधे की दूरी 60 से.मी. म 15 से.मी. रखनी चाहिए। विभिन्न किस्मों के बीजों के आकार के अनुसार प्रति हैक्टियर 22-25 किलोग्राम बीज दर उपयुक्त होती है।

उर्वरक प्रबंधन

अच्छी उपज के लिए उर्वरक का सही उपयोग होना चाहिए। फास्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं 1/3 भाग नाइट्रोजन, बुआई के समय एवं 1/3 भाग बुआई के 25 दिनों बाद तथा शेष 1/3 भाग नाइट्रोजन 40 दिनों बाद डालना चाहिए। फॉस्फोरस, पोटाश, जिंक सल्फेट एवं द भाग नाइट्रोजन बुआई के समय, द भाग नाइट्रोजन बुआई के 25 दिनों के बाद द भाग 60-80 दिनों के उपरांत तथा शेष नाइट्रोजन 80-110 दिनों के बाद देनी चाहिए।

खरपतवार नियंत्रण

पहली निराई-गुड़ाई बुआई के 15-20 दिनों बाद तथा दूसरी



30 से 35 दिनों बाद अवश्य करनी चाहिए। इससे जड़ों में हवा का संचार होता है और ये दूर तक फैलकर भोज्य पदार्थ एकत्र करके पौधों को देती है। सीमाजोनी 105 किलोग्राम प्रति हैक्टियर को 500-600 लीटर पानी में घोलकर बीज के अंकुरण के पूर्व खेत में छिड़काव करने से खरपतवार नहीं जमते और फसल तेजी से बढ़ती है।

बेबीकॉर्न की तुड़ाई का सही समय

मक्के की बेबीकॉर्न की गुल्ली को 3-4 से.मी. सिल्क (जीरा) आने पर तोड़ लेना चाहिए। गुल्ली तुड़ाई के समय ऊपर की पत्तियों को नहीं हटाना चाहिए। पत्तियों को हटाने से ये जल्दी खराब हो जाती है। रबी में एक दो दिन छोड़कर गुल्ली को तुड़ाई करनी चाहिए। एकल क्रॉस संकर मक्का में 3- 4 तुड़ाई जरूरी है।

कितनी उपज प्राप्त होगी

इस तरह खेती करने से बेबीकॉर्न की छिलकारहित उपज 15-20 क्विंटल प्रति हैक्टियर प्राप्त होती है। इसके अलावा 200-250 क्विंटल प्रति हैक्टियर हरा चारा भी मिल जाता है। बेबीकॉर्न का छिलका तुड़ाई के दिन उतारकर प्लास्टिक की टोकरी, थैली या कटैर में रखकर तुरंत मंडी में पहुंचा देना चाहिए।

बेबी कॉर्न के साथ लगाएं अंतःफसल

रबी में बेबीकॉर्न के साथ आलू, मटर, राजमा, मेथी, धनिया, गोभी, शलजम, मूली, गाजर इत्यादि अंतःफसल के रूप में ली जाती है। अंतःफसल से जो उपज प्राप्त होती है वह अतिरिक्त लाभ होता है।



स्ट्राबेरी एक स्वादिष्ट, लुभाने वाला तथा पौष्टिक फल है। इसमें विटामिन सी तथा लोहा बहुतायत में होते हैं। साधारणतः हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश तथा महाराष्ट्र में पैदा किया जाता है।

किस्में : गान्धल, गुरिहा, टियोगा, सीरकैप, स्वीटचाली, डाना, टोरे, सेल्वा, बेलरूपी, फर्न, पंजारी इत्यादि।

नर्सरी तैयार करना - स्ट्राबेरी का प्रवर्धन मुख्य रनर (लता को पकड़ने वाली नोक) द्वारा किया जाता है जाकि कायिक प्रवर्धन का एक भाग है। एक पौधे से 7-10 रनर प्राप्त होते हैं। बड़े स्तर पर प्रवर्धन के लिए सूक्ष्म प्रवर्धन (ऊतक प्रवर्धन) का प्रयोग करते हैं। इस विधि से पूरे वर्ष पौधे प्राप्त करते हैं। सरस्य क्रियाएँ - भूमि को तैयार करना स्ट्रबेरी की खेती के लिए जरूरी होता है। भूमि को जोतकर सममतल बनाते हैं। रनर का रोपक समय सितम्बर-अक्टूबर है। रोपक करते समय यह ध्यान रहे कि रनर स्वस्थ, कीट एवं बीमारी रहित होने चाहिए। चार तरीके से इसका रोपक करते हैं, जैसे - मैटिड से, स्प्रेड से, हिल तथा प्लास्टिक फिल्म से। उर्वरण व खाद : भिन्न-भिन्न खद एवं उर्वरण की दर अलग-अलग राश्यों के लिए निर्धारित की गई है जिसमें हिमाचल प्रदेश के लिए खाद व उर्वरण को इस प्रकार निर्धारित किया गया है - 50 टन सड़ी हुई गोबर की खाद, 40 कि.ग्रा. फॉस्फोरस, 40 कि.ग्रा. पोटाश को भूमि तैयार करने समय डालते हैं। नत्रजन (80 कि.ग्रा.) को दो भागों में बांटका एक भाग को सितम्बर और दूसरे भाग को फुल आते समय देना चाहिए। खरपतवार नियंत्रण - खरपतवार नियंत्रण के लिए 3-4 निराई-गुड़ाई की आवश्यकता होती है। ड्यूरान रसायन 5 कि.ग्रा./हे. का एक छिड़काव फसल की गुड़ाई के बाद करें। तुड़ाई एवं उपज - स्ट्राबेरी की तुड़ाई फलों के आधे से तीन चौथाई भाग के रंग बदलने के पश्चात् करते हैं। फलों का पकना गर्म मौसम में शीघ्र होता है। फल की तुड़ाई डण्टल सहित सुबह के समय करते हैं। इसकी उपज 90 क्विंटल/हे. आकी गई है। अच्छे उर्वरण प्रबंध द्वारा इसकी उपज 175-

200 क्विंटल/हे. तक होती है।

तुड़ाई उपरांत पौधोगिकी

फलों की सतह का 2/3 हिस्सा लाल रंग का होने पर तुड़ाई करें। छंटाई करके फलों को प्लास्टिक की पत्रेट (200 ग्राम) में पैक करें। पत्रेट को सिंगल लेयर सीएफबी बोक्स में रखें। फलों को शीत गुह में 4-5 डिग्री से. तापमान व 85-90 प्रतिशत आर्द्रता पर 20-25 दिन के लिए भण्डारित करें। फलों से जैम, जेली, आईसक्रीम आदि उत्पाद तैयार करें। कीट प्रकोप एवं प्रबंधन

1. लाल मकड़ी माइट

ये लाल रंग के माइट पत्तों की निचली सतह से रस चूसते हैं जिससे पत्तों पर धब्बे बन जाते हैं तथा उनकी वृद्धि रूक जाने से उपज कम हो जाती है।

2. थिप्स

थिप्स पौधे के पत्तों व फलों से रस चूसकर हानि पहुंचाते हैं। इनसे फसल के बचाव के लिए एन्डोसल्फान 35 ई.सी. 2 मि.लि./लितर या कार्बेन्डिल 50 डब्ल्यू.पी. 2 ग्राम/लितर या डाइमिथोएट 30 ई.सी. 1 मि.लि./लितर का छिड़काव करें।

3. पत्ती सूत्रकृमि (लीफ नेमाटोड)

यह सूत्रकृमि पौधे के नए फलों को नुकसान पहुंचाता है जिससे ये टेढ़े-मेढ़े हो जाते हैं तथा इन पर स्लेटी रंग के धब्बे बन जाते हैं। पौधों की वृद्धि पर बुरा प्रभाव पड़ने से ऊपर काफ़ी कम हो जाती है।

प्रबंधन

1. खेत की मिट्टी का निर्जमीकरण करें।
2. रोपाई से पहले पौधे को 5 मिनट के लिए इसाजोफॉस 50 ई.सी. के 2 प्रतिशत घोल में डुबोएं।



केतन अग्रवाल हत्याकांड : पॉलीग्राफी टेस्ट से खुलेगा सच ?

पुणे (एजेंसी)। महाराष्ट्र के पुणे स्थित लोहागढ़ किले पर 18 जून को रियल एस्टेट कारोबारी केतन अग्रवाल की संदिग्ध मौत अब पुलिस जांच में नया मोड़ ले लिया है। केतन की मौत के मामले में मुख्य आरोपी सिया गोयल (20) और उनके कथित प्रेमी चेतन चौधरी (22) पर केतन की हत्या करने का आरोप है। पुलिस का मानना है कि इन दोनों ने मिलकर केतन को खाई में धकेला, लेकिन अभी तक कोई सीधा गवाह या टोस सबूत नहीं मिल पाया है, जिसके कारण जांच में गतिरोध बना हुआ है। इसकारण पुणे पुलिस ने अब इस केस को आगे बढ़ाने के लिए पॉलीग्राफी टेस्ट का सहारा लेने का फैसला किया है और इसके लिए कोर्ट से अनुमति भी मांग ली गई है। पॉलीग्राफी टेस्ट, इस अवसर झूठ पकड़ने वाला कड़ा जाता है, पूरी तरह से सटीक नहीं होता। यह दरअसल किसी व्यक्ति के शरीर में होने वाले शारीरिक परिवर्तनों, जैसे दिल की धड़कन, रक्तचाप, सांस लेने की दर और पसीने को मापता है। ये परिवर्तन आमतौर पर तब होते हैं जब व्यक्ति तनाव में होता है या झूठ बोल रहा होता है। टेस्ट की शुरुआत एक पी-टी-टेस्ट इंटरव्यू से होती है, जहाँ परीक्षक आरोपी से बातचीत कर केस और प्रक्रिया समझाता है। इसके बाद, आरोपी के शरीर पर कई सेंसर लगाए जाते हैं, जो इन शारीरिक प्रतिक्रियाओं को रिकॉर्ड करते हैं। इस डेटा का विश्लेषण कर परीक्षक यह अनुमान लगाता है कि क्या व्यक्ति सच बोल रहा है या झूठ। सिया गोयल के पॉलीग्राफी टेस्ट से पुलिस को इस जटिल मामले में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है, जिससे केतन अग्रवाल की मौत का सच सामने आ सकता है।

एटा में दर्दनाक तिहरा सड़क हदसा, 5 की मौत, दर्जनभर घायल

- खड़ी बस से टकराए दो वाहन; सीएम योगी ने लिया संज्ञान, जांच शुरू

(एजेंसी)। एटा जिले में शुक्रवार को एक भीषण सड़क हादसे में पांच लोगों की जान चली गई, जबकि करीब दर्जनभर लोग घायल हो गए। यह दर्दनाक हादसा बागवाला थाना क्षेत्र के कीलर मऊ के पास हुआ, जब सड़क किनारे खराब खड़ी रोडवेज बस से एक कैक्टर और उसके बाद एक सीएनजी टैंकर टकरा गए। जानकारी के अनुसार, एटा डिपो की एक बस खराब होने के कारण सड़क किनारे खड़ी थी। इसी दौरान, पीछे से तेज गति से आ रहे एक कैक्टर ने बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर के कुछ ही पल बाद, एक सीएनजी टैंकर भी इन वाहनों से जा भिड़ा, जिससे हादसा और भी भयावह हो गया। इस सीएनजी टैंकर के तहलके में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक यात्री ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। करीब 12 घायलों का जिला अस्पताल में उपचार जारी है। हादसे की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदिदत्तनाथ ने संज्ञान लिया और जिला प्रशासन को तत्काल राहत-बचाव कार्य के निर्देश दिए। पुलिस ने घायलों को तत्काल अस्पताल भेजा और मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेजे। फिलहाल पुलिस हादसे के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है और मृतकों की पहचान स्थापित की जा रही है। रास्ते को क्लियर कर दिया गया है।

मुरादाबाद रामकुंवर हत्याकांड : 3 दोषियों की उम्रकैद बरकरार, 15 दिन में करना होगा सरेंडर

मुरादाबाद (एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मुरादाबाद के बहुचर्चित रामकुंवर हत्याकांड में ट्रायल कोर्ट द्वारा सुनाई गई उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति विनय कुमार द्विवेदी की खंडपीठ ने तीनों दोषियों बलरंजन, महेश और नरेश की अपील खारिज कर दी थी। कोर्ट ने कहा कि मामले में प्रस्तुत साक्ष्य, प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और विद्वितीय रिपोर्ट अभियोजन पक्ष के आरोपों की पुष्टि करती है। खंडपीठ ने तीनों दोषियों को 15 दिन के भीतर मुख्य न्यायाधीश जस्टिस (सीजेएम) के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है, अन्यथा उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किए जाएंगे। यह सनसनीखेज वारदात 27 सितंबर 1987 की रात मुरादाबाद के थाना कुंदरकी क्षेत्र के गांव बरसा में हुई थी। मंदिर से अखंड रामायण पाठ सुनकर लौट रहे राम कुंवर को अभियुकों ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। इसके बाद शव को घसीटते हुए जंगल ले गए तथा सिर घड़ से अलग कर दिया। पुलिस के अनुसार, हत्या की वजह महेश की बहन को भ्रान्तों को लेकर रामकुंवर के खिलाफ दर्ज कराया गया पुराना मुकदमा था। बचाव पक्ष ने एफआईआर में देरी और गवाहों के रिश्तेदार होने का हवाला देकर बरी किए जाने की मांग की, लेकिन हाई कोर्ट ने पाया कि प्राथमिकी घटना के साढ़े चार घंटे के भीतर दर्ज हुई थी। कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि केवल रिश्तेदार होने के आधार पर गवाही खारिज नहीं की जा सकती। अदालत ने सभी अपीलों को खारिज कर दिया।

सोनमर्ग अटल टनल के पास सीआरपीएफ का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, 6 जवान घायल

-घायल जवानों का अस्पताल में इलाज जारी, हादसे के कारणों की जांच शुरू

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के गंदरबल जिले में श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित सोनमर्ग अटल टनल के पास शुक्रवार को केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) का एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सड़क से फिसलकर वाहन पलट जाने से उसमें सवार छह जवान घायल हो गए। सभी घायलों को तत्काल प्राथमिक उपचार देने के बाद बेस्तर इलाज के लिए गुंड स्थित सीआरपीएफ शिविर और नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल सभी जवानों की हालत स्थिर बताई जा रही है। अधिकारियों के हवाले से मीडिया रिपोर्ट में बताया जा रहा है, कि हादसा उस समय हुआ जब सीआरपीएफ का वाहन सोनमर्ग (गगनगीर) सुरंग के निकट से गुजर रहा था। इसी दौरान वाहन का संतुलन बिगड़ गया और वह सड़क से फिसलकर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस, सुरक्षा बल और राहत दल ने मौके पर पहुंचकर बचाव अभियान चलाया तथा घायल जवानों को सुरक्षित बाहर निकालकर उपचार के लिए भेजा। पुलिस ने घटना का संज्ञान लेते हुए दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक तौर पर वाहन के अनियंत्रित होने को हादसे की वजह माना जा रहा है, हालांकि अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच के बाद ही वास्तविक कारण स्पष्ट हो सकेगा। श्रीनगर-लेह राष्ट्रीय राजमार्ग पर्वतीय और संवेदनशील मार्ग होने के कारण यहां मौसम और सड़क की परिस्थितियां अक्सर चुनौतीपूर्ण रहती हैं।

सिंधु जल संधि पर भारत अपने रुख पर कायम

-अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान की आपत्तियां खारिज

-हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की प्रक्रिया पर भारत ने उदात्त सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच विवाद एक बार फिर गहरा गया है। भारत ने हेग स्थित कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (सीओए) की कार्यवाही और उसके एकतरफा फैसले को मानने से इनकार करते हुए स्पष्ट किया है कि संधि के प्रावधानों की अनदेखी कर शुरू की गई किसी भी प्रक्रिया का कोई कानूनी आधार नहीं है। भारत के इस रुख के बाद पाकिस्तान के कई नेताओं ने तीखी प्रतिक्रियाएं दी हैं।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत का कहना है कि सिंधु जल संधि में विवादों के समाधान के लिए चरणबद्ध प्रक्रिया निर्धारित है। नई दिल्ली के अनुसार, तत्कालीन विवादों पर पहले न्यूट्रल एक्सपर्ट की नियुक्ति का प्रावधान है और उसके बाद ही अन्य



कानूनी विकल्पों पर विचार किया जा सकता है। भारत का आरोप है कि इस प्रक्रिया का पालन किए बिना समानांतर मध्यस्थता शुरू की गई, जिसे उसने स्वीकार नहीं किया। मनोहर परिकर इंस्टीट्यूट फॉर डिफेंस स्टडीज एंड एनालिसिस के महानिदेशक सुजान चिन्तॉय ने अपने एक विश्लेषण में कहा है, कि भारत ने संधि को स्थगित करने से पहले विश्व बैंक से

न्यूट्रल एक्सपर्ट नियुक्त करने का अनुरोध किया था। वहीं पाकिस्तान ने समानांतर रूप से कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन के जरिए कानूनी प्रक्रिया शुरू करने की मांग की। तत्कालीन विश्व बैंक अध्यक्ष ने दोनों प्रक्रियाओं को साथ चलाने की मंजूरी दी, जिसे भारत ने संधि की मूल भावना के विपरीत बताया और इस प्रक्रिया में भाग लेने से इनकार कर दिया।

भारत ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसका विरोध कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की वैधानिकता को लेकर है, न कि परमांत कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (पीसीए) जैसी संस्था के अस्तित्व को लेकर। सरकार का कहना है कि वह अंतरराष्ट्रीय कानूनों और नियम-आधारित व्यवस्था का सम्मान करती है, लेकिन प्रक्रियाओं का पालन भी उतना ही आवश्यक है। विश्लेषकों का कहना है कि अंतराष्ट्रीय स्तर पर ऐसे उदाहरण पहले भी सामने आए हैं, जब विभिन्न देशों ने कुछ अंतराष्ट्रीय न्यायिक या मध्यस्थता संबंधी फैसलों को स्वीकार नहीं किया। वहीं भारत ने 2014 में बंगाल को खाड़ी समुद्री सीमा विवाद में संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून संधि (यूएनसीएलओएस) के फैसले को स्वीकार कर अंतराष्ट्रीय नियमों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित की थी।

सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच आगे की कूटनीतिक एवं कानूनी प्रक्रिया पर दोनों देशों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नजर बनी हुई है।

बागेश्वर धाम पहुंचे अनंत अंबानी, पूजा-अर्चना की, हाथ में थामी गदा



नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी के बेटे और रिलायंस इंडस्ट्रीज के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर अनंत अंबानी ने बागेश्वर धाम पहुंचे। यहां पहुंचने के बाद उन्होंने पूजा-अर्चना की। इस दौरान वह धीरे-धीरे शास्त्री के साथ पूजा में शामिल हुए। एक वीडियो में अनंत को धीरे-धीरे शास्त्री के साथ हाथ में गदा धामे देखा गया। धीरे-धीरे मध्य प्रदेश राज्य के छतरपुर जिले के बागेश्वर धाम के मुख्य पुजारी हैं, वह कथा सुनाते हैं। बता दें कुछ दिन पहले अनंत अंबानी ने आंध्र प्रदेश के तिरुमला तिरुपति मंदिर में भगवान वैकुंठेश्वर के दर्शन किए थे। इस दौरान उन्होंने वहां की सालों पुरानी धार्मिक परंपरा का पालन करते हुए अर्चना की थी। तिरुमला में केश दान को धार्मिक परंपरा का हिस्सा माना जाता है। श्रद्धालु केश दान को भगवान के प्रति श्रद्धा, समर्पण, कृतज्ञता और विनम्रता का प्रतीक मानते हैं। कई श्रद्धालु अपनी मनोकामना पूरी होने पर या किसी विशेष संकल्प के तहत भी अपने केश अर्पित करते हैं। तिरुमला में केश दान की यह परंपरा हजारों साल पुरानी मानी जाती है।

बेंगलुरु डे-केयर केस: वीडियो में मासूमों को टॉर्चर करने वाली महिला गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु में मासूमों के साथ बर्बरता के चर्चित डे-केयर मामले में पुलिस ने पहली गिरफ्तारी की है। पुलिस ने विजयलक्ष्मी नामक महिला को गिरफ्तार किया है, जो वास्तव वीडियो फुटेज में बच्चों को अमानवीय रूप से प्रताड़ित करती दिख रही थी। इस मामले में पुलिस ने तीन अन्य लोगों को फुलटाइम के लिए बुलाया था, लेकिन वे गुरुवार को पेश नहीं हुए।

यह गंभीर मामला बुकफ्रीड इलाके में स्थित प्रीतिप्रिय आईटी कंपनी कैपजेमिनी के कैंपस के भीतर चल रहे डे-केयर सेंटर से जुड़ा है। यहां दो से तीन साल के बच्चों के साथ दुर्व्यवहार के वीडियो व्हाट्सएप पर वास्तव होने के बाद चारहक हेल्यालान्ड तक पहुंचे, जिसके बाद यह क़ूता उजागर हुई। वीडियो में बच्चों को रोते हुए और उनके साथ मापीएट करते हुए साफ देखा जा सकता है। शिकायत के अनुसार, रोते हुए बच्चों को चुप कराने के लिए कई अमानवीय तरीके अपनाए गए। आरोप है कि बच्चों को जबरन वॉशिंग मशीन के अंदर बिठवाया गया, वेस्टर्न टॉयलेट में बैठकर जेट स्प्रे से उनके मुंह में

पानी डाला गया, और उन्हें बारूथरूम में बंद कर चुप रहने की धमकी दी गई। यह सब देखकर बच्चों के माता-पिता गहरे सदमे में हैं।

इस मामले में डे-केयर की पांच महिला कर्मचारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई थी। पुलिस ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई का आश्वासन दिया है। पुलिस शहर के अन्य डे-केयर सेंटरों की जांच कर रही है कि क्या वे निर्धारित नियमों का पालन कर रहे हैं। कर्नाटक के गृहमंत्री प्रियांक खड़गे ने घटना पर कड़ी प्रतिक्रिया देकर बच्चों के साथ दुर्व्यवहार पर जोरों टॉलरेंस नीति अपनाने की बात कही है।

इस घटना के सामने आने के बाद कैपजेमिनी ने अपने बेंगलुरु कैंपस का डे-केयर सेंटर अस्थायी रूप से बंद किया है और पुलिस जांच में पूरा सहयोग कर रही है। एक डिटी कर्मिश्नर रैंक की महिला अधिकारी मामले की जांच का नेतृत्व कर रही हैं। पुलिस ने साफ किया है कि इस जांचय अन्वेषण में शामिल किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा, और वीडियो तथा सीसीटीवी फुटेज की गहन जांच जारी है।

सलमान खान फायरिंग मामले में अनमोल बिश्नोई ने कोर्ट में किया सरेंडर का आवेदन, वीडियो कॉन्फेंसिंग से पेशी की मांग

मुंबई (एजेंसी)। अभिनेता सलमान खान के घर के बाहर हुई फायरिंग मामले के मुख्य आरोपियों में शामिल कथित गैंगस्टर अनमोल बिश्नोई ने विशेष अदालत में एक आवेदन दाखिल कर इस मामले में स्वेच्छा से सरेंडर करने और न्यायिक प्रक्रिया में शामिल होने की इच्छा जताई है। फिलहाल अनमोल बिश्नोई एक अन्य मामले में तिहाड़ जेल में बंद है। अनमोल बिश्नोई के वकीलों की ओर से दायर याचिका में कहा गया है कि वह निष्पक्ष सुनवाई और न्याय के हित में इस मामले में स्वेच्छा से अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण करना चाहता है तथा चला रही न्यायिक कार्यवाही का हिस्सा बनना चाहता है। चूंकि वह पहले से ही एक अन्य मामले में न्यायिक हिरासत में है, इसलिए वह स्वयं अदालत में उपस्थित नहीं हो सकता।

पंजाब कांग्रेस में कलह: चन्नी और मनीष तिवारी में खटपट

विस चुनाव में टिकट को लेकर होने लगे दो-दो हाथ

चंडीगढ़ (एजेंसी)। कांग्रेस आलाकमान भले ही पंजाब में जारी आंतरिक कलह को शांत करने और पार्टी के दिग्गज नेताओं के बीच फिलहाल के लिए समझौता करार में कुछ सफलता पाई हो, लेकिन पार्टी के भीतर गुटबाजी की दरारें अभी भी बहुत गहरी हैं। सबसे बड़ा पेच अब इस बात पर फंसा है कि क्या अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव में मौजूदा लोकसभा सांसदों को टिकट दिया जाना चाहिए या नहीं।

एक एफएस मुद्दा है जो पंजाब कांग्रेस में फिर से बड़ों सिधायी तृप्तान खड़ा कर सकता है, क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी समेत मुख्यमंत्री पद के कई बड़े दावेदार इस समय लोकसभा सांसद हैं। सूत्रों के मुताबिक, चरणजीत सिंह चन्नी पंजाब कांग्रेस के अध्यक्ष का पद संभालने के लिए बेहद उत्सुक थे। वे अमरिंदर सिंह राजा वारिंग को ही प्रदेश अध्यक्ष पद पर बनाए रखने की ही इच्छा देने के बाद आलाकमान से नाराज हैं। हालांकि, आलाकमान ने संतुलन बनाने के लिए वारिंग को अध्यक्ष और प्रताप



सिंह बाजवा को विधायक दल का नेता बनाए रखा है, जबकि चन्नी और अन्य वरिष्ठ नेताओं जैसे लोकसभा सांसद सुखजिंदर सिंह रंधावा, अमर सिंह और कांग्रेस के संयुक्त कोषाध्यक्ष विजय इंदर सिंहाल को चुनाव से जुड़ी महत्वपूर्ण कमेटीयों का प्रमुख बनाकर संतुष्ट करने का प्रयास किया है।

कांग्रेस आलाकमान का यह फैसला काफी गहन विचार-विमर्श के बाद आया है। कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अजय माकन की अगुवाई वाले तीन सदस्यीय पैनल ने करीब 66 वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात कर उनकी राय ली थी। ऐसा इसलिए करना

पड़ा क्योंकि पार्टी के एक बड़े धड़े का मानना था कि वारिंग को बदला जाना चाहिए, जहाँ वारिंग के समर्थनों में भी कई नेता थे। इस संकट के बीच, जटिल समुदाय के कम से कम 30 नेताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को पत्र लिखकर समय मांगा था ताकि वे एक दलित सिख नेता के रूप में चलो को प्रदेश अध्यक्ष बनाने की पैरवी कर सकें। जैसे ही चन्नी खेमे ने दबाव बनाया शुरू किया, दूसरे गुट भी सक्रिय हो गए।

नवंबर 2025 में नियुक्त किए गए अधिकांश जिला अध्यक्षों ने राजा वारिंग का समर्थन किया। दूसरी तरफ, दो बड़े जाट सिख नेताओं प्रताप सिंह बाजवा और सुखजिंदर सिंह रंधावा ने हाथ मिला लिया ताकि चन्नी को इस पद से दूर रखा जा सके। चन्नी विरोधी खेमे ने तो यहां तक प्रस्ताव दे दिया था कि अगर चन्नी को अध्यक्ष बनाया जाता है तो उन्हें विधानसभा चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए। एक तरफ यह भी दिया गया कि चुनाव से कुछ महीने पहले वारिंग को हटाना गलत संदेश देगा।

मानसून सत्र में आसकता है भ्रष्टाचार-रोधी संविधान संशोधन विधेयक

-जेपीसी 17 जुलाई को दे सकती है रिपोर्ट, विपक्ष ने प्रस्तावित प्रावधानों पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार आगामी मानसून सत्र में भ्रष्टाचार-रोधी प्रावधानों से जुड़े प्रस्तावित संविधान (130वां संशोधन) विधेयक, 2025 को आगे बढ़ा सकती है। इस विधेयक की जांच कर रही संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) की रिपोर्ट 17 जुलाई को मंजूर होने की संभावना है। इसके बाद सरकार समिति की सिफारिशों पर विचार कर विधेयक को केंद्रीय मंत्रिमंडल के समक्ष रख सकती है और फिर संसद में पेश किया जा सकता है।

मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह विधेयक पिछले वर्ष केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा पेश किया गया था। प्रस्तावित प्रावधानों के तहत यदि प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या किसी मंत्री को ऐसे मामले में गिरफ्तार किया जाता है, जिसमें पांच वर्ष या उससे अधिक की सजा का प्रावधान हो, और वह लगातार 30 दिनों तक न्यायिक हिरासत में रहता है, तो उसके पद पर बने रहने से जुड़े प्रावधान लागू हो सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक, जेपीसी विधेयक के मूल लक्ष्यों को बरकरार रखते हुए उसके संभावित दुर्भावों को रोकने के लिए आंतरिक सुरक्षा उपायों की सिफारिश कर सकती है। समिति यह भी स्पष्ट करने की सिफारिश कर सकती है कि ये प्रावधान केवल गंभीर अपराधिक

मामलों पर ही लागू हों, ताकि किसी निर्दोष जनप्रतिनिधि को अनावश्यक नुकसान न उठाना पड़े।

रिपोर्ट के अनुसार संसदीय समिति को अध्यक्ष अपराजिता सारंगी का कहना है, कि विधेयक का उद्देश्य राजनीति का अपराधीकरण करना और संवैधानिक नैतिकता को मजबूत करना है। उनके अनुसार, समिति के समक्ष आए अधिकांश सुझाव सरकारी तर्क रहे हैं। हालांकि, विपक्ष ने इस प्रस्तावित संशोधन का विरोध किया है। विपक्षी दलों का आरोप है कि केवल न्यायिक हिरासत के आधार पर निर्वाचित प्रतिनिधियों को पद से हटाने का प्रावधान प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत और संघीय ढांचे के विपरीत हो सकता है।

उनका कहना है कि दोषसिद्धि से पहले ऐसी कार्रवाई का राजनीतिक दुरुपयोग किया जा सकता है। जेपीसी में गैर-एनडीए दलों के कुछ सदस्यों ने भी अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी और विधेयक का उद्देश्य राजनीति का अपराधीकरण है, जिसमें उनके सहयोगी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुरशीद भी शामिल हैं। केरल के तिरुवनंतपुरम से सांसद थरुन ने इस तरह के आयोजनों को वैधक कूटनीति का एक



उनका कहना है कि दोषसिद्धि से पहले ऐसी कार्रवाई का राजनीतिक दुरुपयोग किया जा सकता है। जेपीसी में गैर-एनडीए दलों के कुछ सदस्यों ने भी अपनी आपत्तियां दर्ज कराई हैं। एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी और विधेयक का उद्देश्य राजनीति का अपराधीकरण है, जिसमें उनके सहयोगी और पूर्व केंद्रीय मंत्री सलमान खुरशीद भी शामिल हैं। केरल के तिरुवनंतपुरम से सांसद थरुन ने इस तरह के आयोजनों को वैधक कूटनीति का एक

चाहिए। थरुन की टिप्पणी उन लोगों के लिए एक सीधा संदेश थी जो ईरान के शीर्ष धार्मिक नेता के निधन पर भारत के आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल के भ्रमण के सवाल उठा रहे थे। उनका मानना है कि इस तरह के अवसर राष्ट्रीय सम्मान और राजनीतिक परंपरा का हिस्सा होते हैं, जिन पर अनावश्यक विवाद खड़ा करना उचित नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

ओहायो के मोटल में भीषण आग, तीन की मौत

वूस्टर , एजेंसी। अमेरिका के ओहायो राज्य के वूस्टर शहर में बुधवार तड़के एक मोटल में भीषण आग लगने से तीन लोगों की मौत हो गई। आग इतनी तेजी से फैली कि तीन लोग कमरे में ही फंस गए और बाहर नहीं निकल सके। दमकल विभाग ने उन्हें बचाने की कई कोशिशें कीं, लेकिन सफलता नहीं मिली। मृतकों में दो लोग मोटल के कर्मचारी बताए जा रहे हैं। घटना में कोई अन्य घायल नहीं हुआ। आग लगने के समय मोटल की छत से ऊंची लपटें उठ रही थीं। अन्य कमरों में टहरे लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

ग्रीस में सत्तारूढ़ पार्टी नेताओं के घरों पर फायरबम हमला, एक महिला की मौत

थेसालोनिकी , एजेंसी। ग्रीस के थेसालोनिकी शहर में बुधवार तड़के सत्तारूढ़ न्यू डेमोक्रेसी पार्टी के नेताओं के घरों पर तीन फायरबम हमले किए गए। इन हमलों में एक महिला की मौत हो गई, जबकि तीन अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने गैस सिलेंडर से बने देसी सिस्फोटक इस्तेमाल किए। एक कार सत्तारूढ़ पार्टी की पूर्व संसदीय उम्मीदवार अफ्रोदिति नेस्टोरा की थी। वह झुलस गई, जबकि उनकी मां ने अस्पताल में दम तोड़ दिया। प्रधानमंत्री किरियाकोस मिस्तोताकिस ने घटना की निंदा करते हुए इसे अंधी राजनीतिक हिंसा बताया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की एंटीना पर चढ़कर बैनर लहराने पर दो गिरफ्तार

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क स्थित मशहूर एम्पायर स्टेट बिल्डिंग की एंटीना पर बुधवार को दो लोग चढ़ गए और वहां 'प्यार की ताकत' का संदेश लिखे बैनर को लहरा दिया। दोनों ने ऊंचाई पर सेलफी ली, एक-दूसरे को गले लगाया और किस भी किया। करीब आधे घंटे बाद वे नीचे उतरने लगे, जहां पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इस दौरान किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। यह अभी साफ नहीं हो पाया है कि दोनों इमारत की सुरक्षा व्यवस्था को पार कर एंटीना तक कैसे पहुंचे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पाकिस्तान की स्वात घाटी में नाव पलटने से एक ही परिवार के छह की मौत, तीन लापता ; बचाव अभियान जारी

इस्लामाबाद , एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत की स्वात घाटी में बुधवार को एक बड़ा हादसा हो गया। यहां की प्रसिद्ध सैफुल्ला झील में नौ पर्यटकों से भरी एक नाव पलट गई। इस हादसे में एक ही परिवार के छह लोगों की मौत हो गई, जबकि तीन लोग अभी भी लापता हैं। पुलिस के अनुसार, नाव पर सवार सभी नौ लोग एक ही परिवार के थे। ये सभी पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के रहने वाले थे और स्वात घाटी के कलाम इलाके में अपने आप थे। झील की सैर के दौरान अचानक नाव अस्थिर होकर पानी में पलट गई। हादसे की खबर मिलते ही 'रेस्क्यू 1122' की टीमें मौके पर पहुंचीं और बचाव अभियान शुरू किया। बचाव दल ने महोदय इलाके के पास झील से छह शव बरामद कर लिए हैं। लापता तीन सदस्यों की तलाश के लिए सर्च ऑपरेशन अभी भी जारी है। अधिकारी हादसे के असली कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं। खैबर पख्तूनख्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफरदीनी ने इस घटना पर संज्ञान लिया है और संबंधित अधिकारियों से रिपोर्ट मांगी है। मुख्यमंत्री ने प्रशासन को निर्देश दिए हैं कि अगर इस मामले में किसी भी तरह की लापरवाही पाई जाती है, तो जिम्मेदार लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

अफगान मंत्री ने पाकिस्तान को दी खुली धमकी, कहा- हमने बड़ी ताकतों को हरया

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान के सूचना और संस्कृति मंत्री शर अहमद इवकानी ने बुधवार को पाकिस्तान के साथ जारी तनाव को लेकर एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि अफगान लोग बाहरी दबाव या सैन्य हमलों से डरने वाले नहीं हैं। काबुल पहले ही उन विरोधियों पर जीत हासिल कर चुका है, जिनके पास उससे कहीं बेहतर हथियार और आधुनिक तकनीकी थी। अफगानिस्तान स्थित 'आरियाना न्यूज' की रिपोर्ट के मुताबिक, पत्रकारों की बौद्धिक, वैचारिक और पेशेवर क्षमता बढ़ाने के लिए आयोजित सेमिनार में बोलते हुए इवकानी ने कहा कि अफगानिस्तान को धमकीयों से डरना नहीं जा सकता, क्योंकि अफगानिस्तान कई सालों से संघर्ष झेलता आया है। शर अहमद इवकानी ने कहा कि जिन लोगों ने बेरहमी से हमला करके हमारे बच्चों को नींद में मार डाला, उनसे हम कहना चाहते हैं कि हम बम धमाकों और मुश्किलों से नहीं डरते। हमने उन लोगों को हरया है, जो आधुनिक तकनीक और हथियारों के मामले में आपसे कहीं ज्यादा ताकतवर थे।

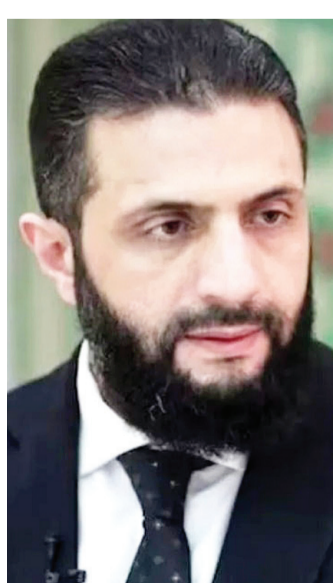
असद राज के खात्मे के बाद सीरिया में नई संसद तैयार, 70 सांसदों की लिस्ट हुई जारी

दमिश्क , एजेंसी। सीरिया में पांच दशक पुराने असद शासन के अंत के बाद अब पहली बार नई संसद का विधिवत गठन हुआ है। देश के नवनिर्वाचित अंतरिम राष्ट्रपति अहमद अल-शरा ने अपनी तरफ से 70 नए सांसदों की एक बहुत ही महत्वपूर्ण सूची को आधिकारिक तौर पर जारी किया है।

सीरियाई संसद का यह ऐतिहासिक पुनर्गठन पूरी दुनिया को दिखाता है कि देश अब शांति और नए कानून बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। दिसंबर 2024 में विद्रोहियों के बड़े हमले और अचानक हुए तख्तापलट के बाद से देश में कोई भी आधिकारिक संसद सुचारू रूप से काम नहीं कर रही थी। सीरिया की चुनाव समिति के प्रमुख मोहम्मद ताहा अल-अहमद ने बताया है कि इस नई संसद में कुल 210 सदस्य पूरी तरह से शामिल होंगे। इस नवनिर्वाचित संसद को सबसे पहली और

अहम बैठक आने वाले सोमवार को राजधानी में बहुत ही शांतिपूर्ण तरीके से आयोजित की जाने वाली है। सीरिया देश बहुत लंबे समय तक असद परिवार के बेहद क्रूर शासन और भयंकर गृहयुद्ध के निरर्थक को लगातार अपने ऊपर झेलता आ रहा था। इस विनाशकारी और लंबे चले युद्ध में लगभग 5 लाख निर्दोष लोग अपनी जान गंवा चुके हैं जिससे पूरे देश को भारी जनहानि और नुकसान हुआ है।

महिलाओं की बढ़ी भागीदारी : अंतरिम राष्ट्रपति अल-शरा द्वारा चुने गए 70 सांसदों की इस नई और महत्वपूर्ण लिस्ट में 15 महिलाओं की भी विशेष रूप से शामिल किया गया है। नई संसद की पहली बैठक में सभी नवनिर्वाचित सदस्य अपनी-अपनी शपथ लेंगे और संसद के प्रेसिडेंशियल काउंसिल का अहम चुनाव भी शांतिपूर्वक किया जाएगा। इन 15 नई महिलाओं के आधिकारिक रूप से जुड़ने



के साथ ही अब सीरियाई संसद में महिला सदस्यों की कुल संख्या बढ़कर 22 हो गई है। यह शानदार कदम सीरिया की नई राजनीति में महिलाओं की बढ़ती हुई सक्रिय और महत्वपूर्ण भागीदारी को पूरी दुनिया के सामने बहुत ही स्पष्ट रूप से दर्शाता है।

सुवेदा के दो प्रतिनिधि शामिल : सीरिया में संसदीय चुनाव का पहला चरण पिछले साल अक्टूबर में हुआ था लेकिन दक्षिणी प्रांत सुवेदा को इससे पूरी तरह से अलग रखा गया था। सुवेदा पर दृढ़ बंदूकधारियों का पूरा कंट्रोल है जो केंद्र सरकार के विरोधी हैं और वहां चुनाव के लिए अभी कोई भी तारीख तय नहीं की गई है।

इसके बावजूद अंतरिम राष्ट्रपति अल-शरा की ओर से जारी की गई लिस्ट में इस विशेष क्षेत्र के 2 प्रतिनिधियों को खास तौर पर शामिल कर लिया गया है। वहीं पूर्वोत्तर

अरब सागर में अमेरिकी हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी वॉटर लैंडिंग, एक क्रू मेंबर लापता



मनामा, एजेंसी। अरब सागर में अमेरिकी नौसेना के एक हेलीकॉप्टर को इमरजेंसी वॉटर लैंडिंग करानी पड़ी। इसमें सवार 4 क्रू मेंबर में एक लापता हो गया। उसकी तलाश के लिए अभियान चलाया गया है। यह जानकारी यूएस नेवल फोर्सेज सेंट्रल कमांड, जिसे यूएस 5 ह्यूड फ्लीट भी कहा जाता है ने दी। एक्स पर एक पोस्ट में यूएस 5 ह्यूड फ्लीट ने कहा, '1 जुलाई को सुबह 3:30 बजे ईटी पर यूएसएस जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश को सौंपे गए एम्प-व-60एस सी हॉक हेलीकॉप्टर के एयरक्रू ने अरब सागर में इमरजेंसी वॉटर लैंडिंग की नेवी ने कहा, 'इस बात का कोई संकेत नहीं है कि इमरजेंसी दुश्मन की कार्रवाई की वजह से हुई थी।' इसमें आगे कहा गया कि हेलीकॉप्टर के चार क्रू मेंबर में से तीन को निकाल लिया गया और उनकी हालत स्थिर है। उन्हें जॉर्ज एच. डब्ल्यू. बुश पर रखा गया है।

अमेरिकी नेवी ने कहा कि बाकी क्रू मेंबर के लिए सर्च ऑपरेशन चल रहा है, और कहा, 'इस इलाके में अमेरिकी नेवी के एस्टेट अभी भी लापता दूसरे एयरक्रू मेंबर की तलाश कर रहे हैं।' नेवी ने आगे कहा कि घटना के कारण की 'जांच चल रही है।' इस बीच बुधवार (लोकल टाइम) को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि ईरान का परमाणु निरस्त्रीकरण अच्छी तरह से चल रहा है। उन्होंने कतर में सीनियर अमेरिकी अधिकारियों के साथ सीधी हाई-लेवल बातचीत में ईरान के न होने

के बावजूद तेहरान के साथ राजनयिक प्रगति को लेकर उम्मीद जताई। नॉर्थ डकोटा में नई बनी थियोडोर रूजवेल्ट प्रेसिडेंशियल लाइब्रेरी देखने के लिए निकलते समय रिपोर्ट्स से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि होर्मुज्ज चैनल पर वाले जहाजों पर हमलों को लेकर ईरान पर हाल ही में हुई मिलिट्री कार्रवाई के बाद तेहरान के न्यूक्लियर प्रोग्राम पर बातचीत पॉजिटिव रूप से आगे बढ़ी है। ट्रंप ने कहा, 'जहां तक ??बात है, ईरान का परमाणु निरस्त्रीकरण अच्छी तरह से आगे बढ़ रहा है। उनकी बहुत अच्छी मीटिंग्स हुई हैं, और हम देखेंगे। हमने तीन रातों तक उन पर बहुत कड़ा प्रहार किया लेकिन हम बहुत अच्छी तरह से साथ चल रहे हैं। इसलिए मैं इसे परमाणु निरस्त्रीकरण कहता हूँ, यह सब हो रहा है। यह सब ठीक चल रहा है।

अपना रख बदल लिया है। उन्होंने कहा, 'वे बहुत आगे बढ़ चुके हैं। हमने पिछले हफ्ते उन पर बहुत जोरदार हमला किया। वे ठीक हैं। हम इसे हासिल करने जा रहे हैं। यह ईरान का परमाणु निरस्त्रीकरण है। तेहरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं पर वाशिंगटन की दीर्घकालिक स्थिति को दोहराते हुए, ट्रंप ने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार रखने की अनुमति नहीं दी जाएगी। उन्होंने कहा, 'ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं हो सकते। अन्यथा, ये सभी चीजें जो हम देखते हैं, ये सभी चीजें जो हम करते हैं, देश में कभी भी ऐसी गतिविधि नहीं रही जैसी अभी है।' ट्रंप की टिप्पणी तब आई है जब ईरानी अधिकारियों ने दोहा में अमेरिका के साथ सीधे उच्च स्तरीय वार्ता में भाग नहीं लिया है।

4 में से 3 मिले : नौसेना ने कहा, 'ऐसा कोई संकेत नहीं है कि यह इमरजेंसी किसी दुश्मन की कार्रवाई की

वजह से हुई थी।' उन्होंने बताया, 'हेलीकॉप्टर के चार क्रू सदस्यों में से तीन को सुरक्षित निकाल लिया गया है और जॉर्ज एच डब्ल्यू बुश पर उनकी हालत स्थिर है।' आगे जानकारी दी गई, 'क्षेत्र में मौजूद अमेरिकी नौसेना के संसाधन फिलहाल लापता चल रहे अन्य क्रू सदस्य की तलाश कर रहे हैं।' **खतरनाक है पानी पर लैंडिंग :** रॉयटर्स के अनुसार, पानी पर हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग बेहद जोखिम भरी होती है, यहां तक कि माहिर पायलटों के लिए भी। इसकी वजह यह है कि हेलीकॉप्टर का ऊपरी हिस्सा काफी भारी होता है, जिससे पानी में डूबते ही उसके तुरंत पलट जाने का खतरा बहुत ज्यादा रहता है। इसके अलावा इस इलाके में तैनात अमेरिकी सैनिक भी पूरी तरह कर्फूने हैं। ऐसा इसलिए है क्योंकि अमेरिका और ईरान के बीच युद्धविमान होने के बावजूद बीच-बीच में अचानक हिंसक झड़पें होती रहती हैं। ईरान और अमेरिका ने कतर और पाकिस्तान की मध्यस्थता के बीच-बीच में अचानक हिंसक झड़पें भी की हैं। ईरान और अमेरिका ने कतर और पाकिस्तान की मध्यस्थता के दोहा में परोक्ष वार्ता का एक नया दौर शुरू किया है। कतर पक्षों में यह चर्चा सिव्जरलैंड में अमेरिका और ईरान के बीच सीधे संवाद के पहले दौर के कुछ दिनों बाद हो रही है। इस वार्ता का मुख्य उद्देश्य पिछले महीने किए गए समझौते को लागू करना है। इसमें विशेष रूप से ईरान की रोकी गयी संपत्तियों और स्टेट ऑफ होर्मुज्ज को फिर से खोलने से जुड़े मामलों पर ध्यान केंद्रित किया जा रहा है।

पोलैंड हाई अलर्ट पर, बॉर्डर पर तैनात किए एयर डिफेंस सिस्टम, फाइटर जेट्स की हलचल बड़ी



वार्सो , एजेंसी। रूस ने एक बार फिर अपनी सैन्य आक्रामकता का परिचय देते हुए कोव पर अब तक के सबसे बड़े संयुक्त हवाई हमलों में से एक को अंजाम दिया। इस हमले में रूसी सेना ने बैलिस्टिक मिसाइलों और ड्रोन्स का एक साथ बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया, जिसने पूरे शहर की नींव हिलाकर रख दी। गुरुवार तड़के शुरू हुए इस भीषण हमले के बाद पूरे शहर में 'एयर रेड सायनर' गूजने लगे और हजारों नागरिक अपनी जान बचाने के लिए मेट्रो स्टेशनों और गहरे भूमिगत बंकरों की ओर शरण लेने को मजबूर हो गए। **पोलैंड में हाई अलर्ट :** रूस के इस हमले का असर केवल यूक्रेन की सीमाओं तक ही सीमित नहीं रहा। पड़ोसी देश और हज़ारों सदस्य पोलैंड ने अपनी सुरक्षा व्यवस्था को तत्काल सक्रिय कर दिया है। पोलिश सेना ने पहलियात के तौर पर अपने स्त्र-16 लड़ाकू विमानों को उड़ान भरने के निर्देश दिए और अपने एयर डिफेंस मिसाइल सिस्टम तथा रडार यूनिट्स को 'हाई अलर्ट' पर तैनात कर दिया है। पोलैंड ने बयान जारी

कर कहा कि यह कदम यूक्रेन से सटे सीमावर्ती इलाकों और अपने हवाई क्षेत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। **हमले में 11 लोग घायल :** कोव के मेयर विताली किल्टस्वलो के अनुसार, रूसी मिसाइलों और ड्रोन्स ने शहर के कई महत्वपूर्ण और नागरिक इलाकों को निशाना बनाया। मध्य कोव के प्रसिद्ध शेवचेंको बुलेवार्ड में स्थित एक होटल की ऊपरी मंजिलों में हमले के बाद भीषण आग लग गई, जिसकी लपटें मीलों दूर से देखी जा सकती थीं। इसके अलावा, एक नौ मंजिला रिहायशी अपार्टमेंट का एक हिस्सा मिसाइल की चोट में आकर ढह गया, जिससे कई लोग मलबे के नीचे दब गए। राहत और बचाव दल ने तुरंत मौके पर पहुंचकर मलबे में फंसे लोगों को निकालने का काम शुरू किया। रिपोर्ट के अनुसार, एक एंबुलेंस स्टेशन भी इस हमले की चोट में आया, जहां एक पैरामेडिक गंभीर रूप से घायल हो गया है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक, कम से कम 11 लोग घायल हुए हैं।

अफगानिस्तान में एक बार फिर हिली धरती, आया 5.5 तीव्रता का भूकंप; नुकसान की खबर नहीं

काबुल , एजेंसी। अफगानिस्तान में एक बार फिर भूकंप ने दहशत फैला दी है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (स्टर) के अनुसार, बुधवार को जुर्म क्षेत्र के निकट 5.5 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। भूकंप का केंद्र भूमि से 216.7 किलोमीटर (लगभग 135 मील) की काफी अधिक गहराई पर था। गहराई अधिक होने के कारण सतह पर कंपन अपेक्षाकृत कम महसूस किया गया। अभी तक किसी भी प्रकार के जान-माल के नुकसान या हाताहत की कोई रिपोर्ट नहीं हुई है।

पहाड़ी इलाकों में अक्सर आते हैं भूकंप : बता दें कि अफगानिस्तान भारतीय टेक्टोनिक प्लेट और यूरेशियन टेक्टोनिक प्लेट की सीमा पर स्थित है, जो इसे दुनिया के सबसे सक्रिय भूकंप क्षेत्रों में से एक बनाता है। सिद्धेश पर्वत श्रृंखला इस क्षेत्र को और भी संवेदनशील बनाती है। उत्तर-पूर्वी बदख्शा प्रांत समेत पहाड़ी इलाकों में नियमित रूप से भूकंप आते रहते हैं, जिनके पीछे अक्सर पाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और भारत के उत्तरी हिस्सों तक महसूस किए जाते हैं।

27 जून को आया था 6.2 तीव्रता का भूकंप : इससे पहले शनिवार 27 जून को भी उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान में 6.2 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। स्वर के मुताबिक, इसका केंद्र बदख्शा प्रांत के जुर्म के पास 208 किलोमीटर की गहराई पर था। भूकंप के झटके अफगानिस्तान के अलावा पाकिस्तान, उत्तरी भारत, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, तुर्कमेनिस्तान और किर्गिस्तान तक महसूस किए गए थे। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र ने इसे 215 किलोमीटर की गहराई पर दर्ज किया और बताया कि भूकंप भारतीय समयानुसार शाम 7:04 बजे आया था। अफगानिस्तान के बदख्शा, बलूच, नंगरहार और खोस्त समेत कई प्रांतों में तेज कंपन महसूस किया गया। काबुल में लोगों ने बताया था कि इमारतें हिलीं और कुछ इमारतों में दरारें भी पड़ गई थीं। पाकिस्तान मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, भूकंप का केंद्र अफगानिस्तान का हिंदू कुश क्षेत्र था। इसके झटके इस्लामाबाद के साथ-साथ पूर्वी पंजाब प्रांत और उत्तर-ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और भारत के महसूस किए गए।

पाकिस्तान में 125 साल पुराने गुरुद्वारे पर चला बुलडोजर, भारत ने शहबाज सरकार को लगाई कड़ी फटकार

लाहौर , एजेंसी। पड़ोसी देश पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के धार्मिक स्थलों पर हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। ताजा मामला पंजाब प्रांत के फारूकाबाद का है, जहां 125 साल पुराने ऐतिहासिक 'गुरुद्वारा श्री गुरु सिंह सभा साहिब' के एक हिस्से को मलबे में तब्दील कर दिया गया। लाहौर से लगभग 70 किलोमीटर दूर स्थित इस पवित्र स्थल पर हुई इस कार्रवाई ने न केवल स्थानीय सिख समुदाय को झकझोर दिया है, बल्कि भारत और पाकिस्तान के बीच कूटनीतिक तनाव भी बढ़ा दिया है। **भारत ने जताया कड़ा ऐतराज :** गुरुद्वारे को गिराए जाने की खबर सामने आते ही भारत सरकार ने इस पर कड़ा ऐतराज जताया है। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने इस घटना को 'बेहद निंदनीय' और 'सोची-समझी बर्बरता' करार दिया। उन्होंने



स्पष्ट शब्दों में कहा कि यह सिखों के एक सम्मानित धार्मिक स्थल के खिलाफ जानबूझकर की गई कार्रवाई है। भारत ने शहबाज शरीफ सरकार से मांग की है कि इस घिनौनी हरकत के दोषियों को तुरंत सलाखों के पीछे भेजा जाए और गुरुद्वारे के क्षतिग्रस्त हिस्से का जल्द से जल्द पुनर्निर्माण कराया जाए।

बिना एनओसी के दहा दी गई विरासत : शुरुआती जांच में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है कि इस ऐतिहासिक ढांचे को किसी सरकारी

आदेश पर नहीं, बल्कि एक स्थानीय व्यवसायी की मनमानी के कारण ढहया गया है। पंजाब सरकार के एक अधिकारी के अनुसार, उक्त व्यवसायी ने संबंधित विभाग से आवश्यक अनुमति प्रमाणपत्र लिए बिना ही इस प्राचीन इमारत को गिराना शुरू कर दिया। सिखों गंभीर बात यह है कि स्थानीय प्रशासन और 'इवैक्यूई ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड' ने तब तक कोई कार्रवाई नहीं की, जब तक कि सिख समुदाय ने सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन शुरू नहीं कर दिया।

सीमा विवाद पर नरम पड़ा नेपाल, विदेश मंत्री शिशिर खनाल बोले- भारत से बातचीत को हमेशा तैयार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए एक बहुत ही सकारात्मक रुख अपनाया है। उन्होंने संसद के ऊपरी सदन में बयान देते हुए कहा कि नेपाल हमेशा से भारत के साथ कूटनीतिक बातचीत के जरिए इस मुद्दे को हल करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। खनाल ने दोनों पड़ोसी देशों के बीच मौजूद बहुत ही मजबूत और करीबी रिश्तों पर विशेष रूप से जोर दिया। नेपाल सरकार ऐतिहासिक समझौतों और नक्सों के आधार पर ही इस पुराने मुद्दे का शांतिपूर्ण समाधान पूरी तरह से चाहती है।

नेपाल के विदेश मंत्री ने कहा कि हमारी सरकार भारत और नेपाल के बीच मौजूद करीबी संबंधों और संवेदनाओं का हमेशा से पूरा सम्मान करती है। इससे पहले नेपाल के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह ने मई में संसद में एक बहुत ही विवादित बयान दिया था जिस पर काफी बवाल मचा था। उन्होंने भारत पर नेपाल की जमीन पर कब्जा करने का आरोप लगाया था और इस मामले में चीन और ब्रिटेन को शामिल करने की बात कही थी। लेकिन अब विदेश मंत्री के इस नए बयान ने दोनों देशों के बीच संबंधों को सुधारने और मजबूत करने की एक नई उम्मीद जगा दी है।

प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह के विवादित बयान के बाद भारत ने इस मुद्दे पर किसी भी तीसरे देश के दखल को पूरी तरह से और सिर्रे से खारिज कर दिया था। नेपाल के सभी विपक्षी दलों ने भी बालेन शाह के इस गैर-जरूरी और भड़काऊ बयान को बहुत ही कड़ी आलोचना की थी। बाद में नेपाल के विदेश



मंत्रालय ने अपनी सफाई जारी करते हुए कहा था कि पीएफ का मलबे सिर्फ सीमा के दोनों ओर के स्थानीय लोगों की चुपके से था। **सुस्ता सीमा पर आपसी तालमेल :** दक्षिण नेपाल के सुस्ता क्षेत्र में चल रहे विवाद पर बात करते हुए विदेश मंत्री खनाल ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय सीमा के आसपास सारा काम आपसी तालमेल से हो रहा है। सुस्ता क्षेत्र में 132 मीटर लंबे तटबंध के निर्माण का काम भी दोनों देशों के बीच आपसी सहमति बनने के बाद ही तेजी से आगे बढ़ाया गया है। दोनों देशों की संबंधित संस्थाएं हमेशा एक-दूसरे के संपर्क में रहती हैं ताकि किसी भी तरह की कोई नई गलतफहमी पैदा न हो सके। भारत और नेपाल के बीच लिपुलेख, लिम्पियाधुरा और कालापानी जैसे इलाकों को लेकर बहुत ही पुराना सीमा विवाद लगातार चलता आ रहा है। भारत का हमेशा से यही स्पष्ट रुख रहा है कि ये सभी क्षेत्र उत्तराखंड का अभिन्न हिस्सा हैं और इन्हें द्विपक्षीय बातचीत से सुलझाना चाहिए। दोनों देश अक्सर इन अहम क्षेत्रों पर अपना-अपना दावा मजबूती से करते रहे हैं जिसे सुलझाने के लिए अब कूटनीतिक पहल की जा रही है।

आतंकी साजिश का पर्दाफाश

गुजरात और मध्य प्रदेश से जैश-ए-मोहम्मद के 8 संदिग्ध गिरफ्तार

क्रांति समय

www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात ATS ने अहमदाबाद की रथयात्रा से

14 दिन की पुलिस रिमांड सभी आरोपियों को कड़ी कोर्ट में पेश किया गया, जहां अदालत ने आगे की जांच के लिए 14 दिनों की पुलिस रिमांड मंजूर की है।

UAPA सहित कई धाराओं में मामला दर्ज

ATS ने सभी आरोपियों के खिलाफ गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (UAPA), 1967 की धाराएं 13, 17, 18, 38 और 39 तथा भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धाराएं 61 और 148 के तहत मामला दर्ज किया है।

पाकिस्तान से संपर्क, साहित्य का गुजराती अनुवाद और फंडिंग

ATS के DIG सुनील जोशी के अनुसार जांच में पता चला है कि आरोपी पाकिस्तान के हैंडलरों अब्दुल्लाह और मोहम्मद उमर के संपर्क में थे। वे जैश-ए-मोहम्मद के साहित्य का

13 दिन पहले गुजरात और मध्य प्रदेश में संयुक्त अभियान चलाकर प्रतिबंधित आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े आठ संदिग्धों को गिरफ्तार

किया है। ATS के अनुसार ये लोग गुजरात में संगठन का नेटवर्क खड़ा करने और उसकी विचारधारा फैलाने का प्रयास कर रहे थे।

ATS ने गुजरात के बनासकांठा, महेसाणा, पाटन, नवसारी तथा मध्य प्रदेश के देवास में एक साथ छापेमारी कर सभी आरोपियों को गिरफ्तार

किया। पूछताछ में सामने आया कि आरोपी पाकिस्तान स्थित हैंडलरों के संपर्क में थे और उनके निर्देशों का पालन कर रहे थे।

मिली थी, जिससे एक पुरानी कार खरीदी गई थी। जांच में मोबाइल फोन, पत्र, संगठन से जुड़ा साहित्य और झंडे भी बरामद किए गए हैं। फिलहाल किसी विशेष आतंकी हमले के लक्ष्य या रथयात्रा की रेकी के संबंध में कोई ठोस जानकारी सामने नहीं आई है, लेकिन जांच जारी है।

गुजरात में नेटवर्क बनाने की साजिश

ATS के अनुसार आरोपियों ने 'दारुल इस्लाम गुजरात जैश-ए-मोहम्मद' नाम से एक समूह बनाया था, जिसके माध्यम से नए सदस्यों को जोड़ने और संगठन का विस्तार करने की कोशिश की जा रही थी। आरोपी कट्टरपंथी विचारधारा का प्रचार-प्रसार कर राज्य में एक सक्रिय नेटवर्क खड़ा करने की दिशा में काम कर रहे थे।



गिरफ्तार किए गए आरोपियों के नाम

1. अहमद अब्दुल्ला गाजीवाला (19 वर्ष), भागल, पालनपुर, बनासकांठा
2. इब्राहिम मोहम्मद हुसैन घाघा (30 वर्ष), भागल, पालनपुर, बनासकांठा
3. मुदस्सिर अब्दुल्ला गाजीवाला (22 वर्ष), भागल, पालनपुर, बनासकांठा
4. जकरिया दुरानी मोहम्मद अम्मार घाघा (21 वर्ष), खाडियासणी, सिद्धपुर, पाटन
5. मुफ्ती फौजान इस्माइल दाऊबा (40 वर्ष), खाडियासणी, सिद्धपुर, पाटन
6. मोहम्मद अमीन शेरा (21 वर्ष), खाडियासणी, सिद्धपुर, पाटन
7. मोहम्मद अब्दुल रहमान सावदी (22 वर्ष), अंभेता, चिखली, नवसारी
8. बिलाल दुरानी मोहम्मद अम्मार घाघा (18 वर्ष), वारसी नगर, देवास, मध्य प्रदेश

गुजराती भाषा में अनुवाद कर उसकी विचारधारा का प्रचार कर रहे थे। आरोपियों को लगभग तीन लाख रुपये की फंडिंग भी

गुजरात के 6 पुलिस अधिकारियों को IPS कैडर में पदोन्नति, नासिर नगर डिमोलिशन मामले में मौजूद DCP नकुम का भी नाम

क्रांति समय

www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

केंद्र सरकार ने गुजरात पुलिस सेवा के छह अधिकारियों को पदोन्नति देकर भारतीय पुलिस सेवा (IPS) कैडर में नियुक्त किया है। इनमें राजदीपसिंह एन. नकुम, भरतकुमार बी. राठौड़, प्रफुल वी. वाणिगा, राजेशकुमार टी. परमार, कल्पेशकुमार एम. चावड़ा और राकेश डी. देसाई शामिल

हैं। सभी अधिकारियों को एक वर्ष की प्रोबेशन अवधि पर नियुक्त किया गया है।

केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार 'सेलेक्ट लिस्ट-2025' के तहत इन अधिकारियों को राष्ट्रपति की मंजूरी से IPS कैडर आवंटित किया गया है। भारतीय पुलिस सेवा (प्रोबेशन) नियम, 1954 के तहत इन्हें एक वर्ष का प्रशिक्षण और प्रोबेशन पूरा करना होगा।

नासिर नगर डिमोलिशन मामले के बीच DCP नकुम की पदोन्नति पर उठे सवाल

सूत्र के नासिर नगर डिमोलिशन मामले में गुजरात हाईकोर्ट ने यह सवाल उठाया था कि पूरी कार्यवाही के दौरान DCP राजदीपसिंह नकुम वहां क्यों मौजूद थे। हाईकोर्ट द्वारा यह प्रश्न उठाए जाने के महज सात दिन बाद उन्हें IPS कैडर में पदोन्नति मिलने से विभिन्न स्तरों पर सवाल उठ रहे हैं।

धुवतारक सोसायटी में चल रहे अवैध शराब कारोबार पर छाप

स्टेट मॉनिटरिंग सेल ने तीन आरोपियों को दबोचा,

18.32 लाख रुपये का माल जब्त

क्रांति समय

www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूत्र: गुजरात में शराबबंदी कानून के सख्त पालन के तहत स्टेट मॉनिटरिंग सेल (SMC) ने एक बार फिर सूत्र में बड़ी कार्यवाही की है। चौकबाजार पुलिस थाना क्षेत्र के वेड रोड स्थित धुवतारक सोसायटी में विदेशी शराब की अवैध कटिंग

(भंडारण, तस्करी और वितरण) किए जाने की पुष्टि सूचना मिलने पर स्टेट की टीम ने छाप मारा। कार्यवाही के दौरान पुलिस ने भारी मात्रा में विदेशी शराब और एक महंगी एसयूवी कार बरामद की, जिससे इलाके के बूटलेगर्स में हड़कंप मच गया।

2,341 बोतल और टिन बरामद, 18.32 लाख रुपये का माल जब्त

SMC की टीम ने मौके से कुल 76 पेटियां तथा खुली बोतलें और टिन मिलाकर 2,341 यूनिट विदेशी शराब बरामद की। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 7,91,654 रुपये बताई गई है। इसके अलावा शराब की तस्करी में इस्तेमाल की जा रही करीब 10 लाख रुपये कीमत की महिंद्रा XUV500 (नंबर प्लेट की जांच जारी) भी जब्त की गई। पुलिस ने आरोपियों के पास से 40,950 रुपये नकद और मोबाइल फोन भी बरामद किए। इस कार्यवाही में कुल 18,32,604 रुपये का माल जब्त किया गया।



सूरत उधना में नाले की सफाई के बाद कचरा खुले प्लांट में फेंका,

मनपा कार्यालय और स्कूलों के पास गंदगी का अंबार

क्रांति समय

www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के उधना क्षेत्र में नगर निगम (SMC) कार्यालय और दो स्कूलों के पास भारी गंदगी का साम्राज्य देखने को मिला है। आरोप है कि नगर निगम ने नाले की सफाई के बाद निकाले गए कचरे और कीचड़ को निर्धारित डिस्पोजल साइट पर भेजने के बजाय खुले प्लांट में डाल दिया। लगातार बारिश के कारण यह कचरा और कीचड़ सड़क पर फैल गया है, जिससे दुर्गंध फैल रही है और सड़क

वहीं उधना क्षेत्र में नगर निगम कार्यालय और दो स्कूलों के ठीक पास गंदगी का अंबार



इससे कभी भी बड़ा सड़क हादसा हो सकता है।

एक मनपा कार्यालय और दो स्कूलों के पास गंदगी, बच्चों के स्वास्थ्य पर खतरा

सबसे चिंताजनक बात यह है कि जहां यह गंदगी फैली हुई है, उसके ठीक पास सूरत महानगरपालिका का अपना कार्यालय स्थित है। इसके बावजूद अब तक सफाई नहीं होना प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े करता है। यह इलाका घनी आबादी वाला है और यहां दो बड़े स्कूल भी हैं। प्रतिदिन सैकड़ों बच्चों को इसी गंदगी और दुर्गंध के बीच से होकर गुजरना पड़ता है। स्थानीय लोगों का

खुले प्लांट में डाल दिया गया। अब सवाल यह उठ रहा है कि जब पूरे शहर का कचरा खजोद डिस्पोजल साइट पर भेजा जाता है, तो उधना क्षेत्र का यह गंदा कचरा खुले प्लांट में क्यों डाला गया?

बारिश से बढ़ी परेशानी, सड़कें बनी फिसलन भरी

लगातार हो रही बारिश के कारण खुले प्लांट में डाला गया कीचड़ और कचरा बहकर मुख्य सड़क पर फैल गया है। इससे पूरे क्षेत्र में दुर्गंध फैल गई है और सड़कें फिसलन भरी हो गई हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि

लेकिन अधिकारियों और ठेकेदारों की कथित

रहा है। नाले की सफाई हुई, लेकिन कचरा सड़क किनारे ही छोड़ दिया

जानकारी के अनुसार, हाल ही में सूरत महानगरपालिका ने उधना क्षेत्र में नाले की सफाई करवाई थी। नियमों के अनुसार नाले से निकाला गया कीचड़ और गंदा कचरा सीधे खजोद डिस्पोजल साइट पर भेजा जाना

लापरवाही है कि गंदगी के चलते पूरा कचरा

आरोप

जगह

आरोप

जगह

आरोप

का प्रकोप बढ़ गया है और क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा पैदा हो गया है। अब देखना यह होगा कि स्वच्छता के बड़े-बड़े दावे करने वाली सूरत महानगरपालिका इस गंदगी को कब तक हटाती है और स्थानीय लोगों तथा बच्चों को इस समस्या से राहत दिला पाती है।

सूरत में महिलाओं के लिए निःशुल्क ब्रेस्ट

कैंसर जांच शिविर आयोजित

सांची हेल्थ केयर फाउंडेशन 50 से अधिक महिलाओं की और लोटस हॉस्पिटल की पहल, हुई जांच

क्रांति समय

www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत: महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से शुक्रवार को सांची हेल्थ केयर फाउंडेशन और लोटस हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में कैनाल रोड स्थित अस्पताल में निःशुल्क ब्रेस्ट कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 50 से अधिक

को ब्रेस्ट कैंसर के शुरुआती लक्षणों, समय पर जांच और उपचार के महत्व के प्रति जागरूक करना था। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि शुरुआती चरण में बीमारी का पता चल जाए तो उपचार की सफलता की संभावना काफी बढ़ जाती है। कार्यक्रम के दौरान फाउंडेशन की प्रमुख पूनम पाराशर ने महिलाओं को स्वास्थ्य

शिविर में कैंसर सर्जन डॉ. ऋचा बघासिया, डॉ. अमित गुप्ता तथा लाइफस्टाइल एक्सपर्ट डॉ. मुकेश पाराशर ने महिलाओं को ब्रेस्ट कैंसर से बचाव, नियमित जांच और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में जानकारी दी। साथ ही उपस्थित महिलाओं को आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श भी प्रदान किया गया। आयोजकों ने बताया कि

शिविर में 50 से अधिक

जागरूकता

जागरूकता

महिलाओं की मुफ्त जांच की गई। आयोजकों ने बताया कि जागरूकता पर आधारित पुस्तक 'स्पार्क ऑफ लाइफ' का निःशुल्क वितरण किया।

जागरूकता

जागरूकता

